दैनिक
क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना   वर्ष-14, अंक -90 जबलपुर, रविवार 04 मई 2025   कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8   संपादक अरुण श्रीवास्तव

धार्मिक यात्रा के दौरान गोवा में मची भगदड़

7 लोगों की मौत, 40 से अधिक घायल, करंट से फैली दहशत, सब एक-दूसरे पर गिरते गए

पणजी.(आरएनएस)। गोवा के शिरगांव में लैराई देवी मंदिर में भगदड़ मचने से सात लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए. सीएम प्रमोद सावंत अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल-चाल लिया. सीएम ने अफसोस जाहिर करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे इस दर्दनाक हादसे को लेकर जानकारी ली.

सीएम ने एक्स पोस्ट पर लिखा- आज सुबह शिरगांव के लैराई जात्रा में हुई दुखद भगदड़ से मैं बहुत दुखी हूं. मैं घायलों से मिलने अस्पताल गया और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया. मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हर आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझसे बात की और स्थिति का विस्तृत जायजा लिया, इस कठिन समय में अपना पूरा समर्थन देने की पेशकश की. बता दें, यह घटना शनिवार तड़के हुई. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना के पीछे भीड़भाड़ एक बड़ा कारण हो सकता है. गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को घायलों का हालचाल जानने के लिए अस्पताल का दौरा किया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ के एक हिस्से के नियंत्रण खो देने के बाद स्थिति और बिगड़

गई. स्थानीय लोगों और मंदिर के स्वयंसेवकों ने लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए दौड़ लगाई. भगदड़ उस समय हुई जब हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर में सदियों पुरानी रस्म को देखने और उसमें भाग लेने के लिए उमड़े थे, जहां नंगे पैर %धोंड' जलते अंगारों पर चलते हैं. श्री लैराई यात्रा हर साल उत्तरी गोवा में आयोजित की जाती है, जिसमें 50,000 से यादा श्रद्धालु आते हैं. भगदड़ तब हुई जब धार्मिक यात्रा के एक बिंदु पर ढलान के कारण भीड़ एक साथ तेजी से आगे बढ़ने लगी.

रिपोर्ट के अनुसार, घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. वहीं, उत्तरी गोवा के पुलिस अधीक्षक अक्षत कौशल ने कहा, श्रीगाओ में लैराई देवी मंदिर में हुई भगदड़ में सात लोगों की मौत हो गई और 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए. यात्रा के लिए 1,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था. भीड़ की गतिविधियों पर हवाई निगरानी के लिए ड्रोन भी लगाए गए थे. इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री सावंत, उनकी पत्नी सुलक्षणा, राज्यसभा सांसद सदानंद शेट तनावड़े और विधायक प्रेमेंद्र शेट और कार्लोस फरेरा ने यात्रा का दौरा किया था. यह मंदिर उत्तरी और दक्षिणी स्थापत्य शैली के मिश्रण के लिए जाना जाता है, यहां हर साल मई में शिरगाओ जात्रा का आयोजन किया जाता है. इस त्योहार में आग पर चलने का पारंपरिक अनुष्ठान होता है, जिसमें हजारों भक्त आते हैं. मौलिंगम सहित आस-पास के इलाकों के ग्रामीण पूरे दिन देवी लैराई को समर्पित धार्मिक अनुष्ठानों और प्रसाद में भाग लेते हैं, जैसा कि गोवा पर्यटन वेबसाइट पर बताया गया है. लैराई जात्रा के दौरान आधी रात के करीब आते ही, भक्त मंदिर के अंदर एक जोशीला गोलाकार नृत्य करते हैं, जिसमें ढोल की थाप के साथ ताल में लाठी टकराते हैं.

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ जेल में कुकर्म की खबरें वायरल, क्या है सच्चाई?

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक चौंकाने वाली खबर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ रावलपिंडी की अदियाला जेल में कुकर्म (यौन शोषण) हुआ है। एक कथित मेडिकल रिपोर्ट को आधार बनाकर यह दावा फैलाया जा रहा है, लेकिन जब इसकी पड़ताल की गई तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आइए, जानते हैं इस वायरल खबर की हकीकत।

वायरल रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान के साथ जेल में शारीरिक और यौन शोषण किया गया। रिपोर्ट में उनका पूरा नाम इमरान अहमद खान नियाज़ी लिखा गया है और उनके स्वास्थ्य की अस्थिरता की बात कही गई है। इस रिपोर्ट को पाक एमिरेट्स मिलिट्री हॉस्पिटल की बताया जा रहा है। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में इसे डॉन न्यूज से भी जोड़ दिया गया, हालांकि डॉन ने ऐसी कोई खबर नहीं

छापी है।

पाकिस्तान सरकार के प्रवक्ताओं और फैक्ट-चेकर्स ने इस दावे को सिरे से फर्जी बताया है। उनका कहना है कि इमरान खान की मेडिकल जांच पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा की गई थी, न कि द्वारा। साथ ही, यौन शोषण या शारीरिक हमले से जुड़ी कोई रिपोर्ट मौजूद नहीं है। वायरल रिपोर्ट में त।क्त को रिपोर्ट भेजने का जो दावा किया गया है, वह भी तथ्यहीन है।

इमरान खान अगस्त 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं और उन पर भ्रष्टाचार, गुप्त दस्तावेजों की चोरी, हिंसा भड़काने जैसे गंभीर आरोप हैं। जनवरी 2025 में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को कोर्ट ने अल-कादिर ट्रस्ट घोटाले में सजा सुनाई थी।

कर्नाटक के मंत्री जमीर खान का बयान

मोदी-शाह मुझे बम दें, मैं पाकिस्तान जाकर सबको उड़ा दूंगा...

कर्नाटक -(आरएनएस)। कर्नाटक के मंत्री बीजेड ज़मीर अहमद खान ने शुक्रवार को कहा कि वह आत्मघाती बम पहनकर पाकिस्तान जाने को तैयार हैं। यह टिप्पणी पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भारत को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध करने की जरूरत पड़ी तो वह लड़ने के लिए तैयार हैं। आवास, वक्फ और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री खान ने कन्नड़ और अंग्रेजी में बोलते हुए कहा, हम भारतीय हैं, हम हिंदुस्तानी हैं, हमारे और पाकिस्तान के बीच कोई संबंध नहीं है। अगर हमें उनके खिलाफ युद्ध करने की जरूरत पड़ी तो मैं लड़ने के लिए तैयार हूं। कांग्रेस नेता ने मुट्ठियां भींचते हुए कहा, एक मंत्री के तौर पर अगर वे मुझे भेजते हैं तो मैं अग्रिम

मोर्चे पर जाऊंगा। अगर जरूरत पड़ी तो मैं आत्मघाती बम पहन लूंगा। मैं मजाक नहीं कर रहा हूं और न ही आवेग में बोल रहा हूं। अगर देश को मेरी जरूरत है तो (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह मुझे आत्मघाती बम दें, मैं उसे पहनकर पाकिस्तान चला जाऊंगा। खान के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने इसे 'बचकाना' बताया। एक रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया है, सेना पर विश्वास रखें और चुप रहें - यही काफी है। आपको भाषण देने या वहां जाने की जरूरत नहीं है। हमारे सैनिकों और खुफिया एजेंसियों पर विश्वास रखें और चुप रहें। यह देश के लिए आपकी सबसे बड़ी सेवा होगी। जोशी ने कहा, यह सुनिश्चित करना कि इस तरह के बयानों से हमारे सैनिकों का मनोबल कम न हो, ज़मीर की सबसे बड़ी सेवा होगी। ज़मीर और उनकी पार्टी को बहुत-बहुत नमस्कार, अगर वे चुप रहें।

जबलपुर-चंद्रपुर ऑर्डनेंस फैक्ट्री में छुट्टियां कैंसिल; पाकिस्तानी मंत्री बोले- सिंधु जल रोका तो हमला करेंगे

भारत ने पाकिस्तान से आयात पर बैन लगाया

नई दिल्ली।(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस हमले में अब तक 26 लोगों की जान जा चुकी है। देशभर में आक्रोश की लहर है और केंद्र सरकार ने कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत ने पाकिस्तान से सभी वस्तुओं के आयात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। जबलपुर और चंद्रपुर की ऑर्डनेंस फैक्ट्रियों में कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं, जिससे साफ है कि देश युद्धस्तर पर तैयारियों में जुट गया है।

पाकिस्तान की बौखलाहट इस हद तक पहुंच गई है कि उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल रोके जाने पर भारत पर हमले की धमकी दे दी। भारत ने पाकिस्तान के सरकारी सोशल मीडिया

अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है। लगातार नौवें दिन पाकिस्तानी सेना ने एलओसी पर फायरिंग की, जिसका मुंहतोड़ जवाब भारतीय सेना दे रही है।

इस हमले के बाद साइबर मोर्चे पर भी भारत पर बड़ा हमला हुआ है। महाराष्ट्र साइबर डिपार्टमेंट के मुताबिक भारत पर 10 लाख से ज्यादा साइबर अटैक हुए हैं। वहीं, ह्रस्ट में भारत-पाक मुद्दे पर बैठक की संभावना जताई जा रही है। अमेरिका, चीन और खाड़ी देशों ने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है।

भारत ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब दिया जाएगा और आतंकवाद को समर्थन देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस बीच भारत ने पाकिस्तान को हॉटलाइन के जरिए चेतावनी भी दी है। पहलगाम हमले के दोषियों को ढूंढकर कड़ी सजा देने की मांग पूरे देश में उठ रही है।

पाकिस्तान से आने वाले सभी सामान पर लगा बैन

भारत में अपनी विदेश व्यापार नीति में एक प्रावधान जोड़ा, इसके तहत अब पाकिस्तान से भारत में इंपोर्ट होने वाले सभी सामान पर तुरंत बैन लगा दिया गया है। सभी से जल्द से जल्द इसका पालन करने को कहा गया है।

पहलगाम हमले के बाद भारत पाकिस्तान पर लगातार कड़ा रुख अपना रहा है, सबसे पहले सिंधु नदी का पानी रोकने को लेकर निर्णय लिया गया। इसके बाद पाकिस्तानी विमानों के लिए भारतीय एयर स्पेस बंद की गई। अब पाकिस्तान से भारत आने वाले सामान पर बैन लगाया गया। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पाकिस्तान के खिलाफ एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत ने सभी पाकिस्तानी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की 2 मई की अधिसूचना में कहा गया है,

हिंदू छात्राओं से रेप और ब्लैकमेल करने वाला दरिंदा फरहान एसआई की रिवॉल्वर छीनकर भागा, पुलिस ने पैर में मारी गोली

भोपाल।(आरएनएस)। राजधानी में हिंदू छात्राओं के साथ दुष्कर्म कर ब्लैकमेल करने वाले गिरोह के सरगना बताए जा रहा फरहान को पुलिस की गोली लगी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराध से जुड़े स्थानों की पहचान के लिए शुक्रवार रात पुलिस उसे सीहोर जिले के बिलकिसगंज ले जा रही थी। रास्ते में उसने एसआइ का रिवाल्वर छीनकर भागने की कोशिश की, छीनाझपटी में गोली उसके दाहिने पैर में लग गई। अशोका गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को फरहान को रिमांड पर लिया गया था। उससे मामले में फरार चल रहे आरोपित अबरार के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि पहले वो लोग अक्सर बिलकिसगंज के एक रूम में जाते थे।

पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाला जवान सीआरपीएफ से बर्खास्त

पत्नी की जानकारी छुपाई, वीजा खत्म होने के बाद भी भारत में छिपाकर रखा

नई दिल्ली/श्रीनगर।(आरएनएस)। पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मुनीर अहमद को बल से बर्खास्त कर दिया गया है। उस पर आरोप है कि उसने पाकिस्तान के सियालकोट की रहने वाली मीनल खान से शादी की और वीजा समाप्त होने के बाद भी उसे अवैध रूप से भारत में छिपाकर रखा।

सीआरपीएफ की 41वीं बटालियन में तैनात मुनीर अहमद को सेवा नियमों का उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए बल से बाहर किया गया। सीआरपीएफ के अनुसार, मुनीर ने मीनल को भारत में पनाह देकर वीजा नियमों की अवहेलना की। मुनीर अहमद और मीनल खान की शादी मई 2024 में ऑनलाइन हुई थी। इसके बाद मीनल मार्च 2025 में शॉर्ट टर्म वीजा पर भारत आई और जम्मू-कश्मीर के भलवाल स्थित मुनीर के गांव हंदवाल में एक कार्यक्रम हुआ। मीनल ने लॉन्ग टर्म वीजा के लिए आवेदन किया था, जो अब तक गृह मंत्रालय में लंबित है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा निलंबित कर दिए थे। मीनल को भी देश छोड़ने का नोटिस मिला, जिसके खिलाफ मुनीर ने भलवाल कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने मीनल के पाकिस्तान डिपोर्टेशन पर रोक तो लगा दी, लेकिन मामला मीडिया में उछलने के बाद ष्ट्रक्रक्कस्न ने इस पर संज्ञान लेते हुए मुनीर को सेवा से हटा दिया। डिपोर्ट किए जाने के प्रयास के दौरान मीनल ने कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ हैं। मैंने समय पर वीजा बढ़ाने के लिए आवेदन किया था।

सुप्रीम कोर्ट का गैंगरेप केस में बड़ा फैसला, कहा

एक ने दुष्कर्म किया, फिर भी सभी को मिलेगी सजा

नई दिल्ली.(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ ने गैंगरैप (धारा 376(2)(द्द) आईपीसी) के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि साझा इरादा सिद्ध हो जाए, तो केवल एक आरोपी द्वारा दुष्कर्म का कृत्य करने पर भी सभी शामिल व्यक्तियों को गैंगरैप के लिए दोषी ठहराया जा सकता है. यह टिप्पणी मध्य प्रदेश के 2004 के एक महिला किडनैपिंग एवं गैंगरैप मामले में की गई, जिसमें

दो आरोपियों राजू व जलंधर कोल पर मुकदमा था. घटना 2004 जून में एक विवाह समारोह से लौट रही महिला का अपहरण कर, उसे विभिन्न स्थानों पर अवैध बंदी बनाकर गैंगरैप करने की थी. पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने साझा मंशा से यह अपराध किया.

कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा की अजीब सलाह

नाभि ढकी रहेगी तो लड़की सुरक्षित रहेंगी

नई दिल्ली.(आरएनएस)। राजस्थान के जयपुर स्थित विद्याधर नगर स्टेडियम में चल रही शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने ऐसा बयान दे डाला, जिसने सुनने वालों के होश उड़ा दिए. उन्होंने लड़कियों और महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए अपने पहनावे पर ध्यान देने की सलाह दी है. प्रदीप मिश्रा ने तुलसी के पौधे की जड़ का उदाहरण देते हुए कहा, जैसे तुलसी की जड़ दिखे तो वह सूख जाती है, वैसे ही लड़कियों की नाभि भी शरीर की जड़ है, इसे ढंककर रखना चाहिए. जितना ढंका रहेगा, उतनी सुरक्षा बनी रहेगी.

इतना ही नहीं, उन्होंने अपराधों के बढ़ने का ठीकरा पहनावे पर फोड़ते हुए कहा, आज के समय में क्राइम इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि पहनावा बिगड़ गया है. सरकार या पुलिस कुछ नहीं कर सकती, संस्कार ही क्राइम रोक सकते हैं. प्रदीप मिश्रा ने चंचला देवी की कहानी सुनाते हुए महिलाओं को सभ्य पहनावे की नसीहत दी. साथ ही यह भी कहा कि दो बड़ी समस्याएं हैं- खाना और कपड़ा. उन्होंने वर्तमान पीढ़ी पर भी तीखा तंज कसते हुए कहा कि अब चार अवस्थाएं नहीं बचीं, केवल दो ही बची हैं - बचपन और बुढ़ापा. मोबाइल ने बच्चों को समय से पहले जवान बना दिया है. कथा के बीच में मिश्रा ने एक घरेलू इलाज का भी जिक्र किया. उन्होंने बताया कि अगर शरीर में कोई गांठ हो तो डॉक्टर को दिखाओ, लेकिन साथ में एक बेलपत्र खा लो. डॉक्टर शिव का रूप हैं, इलाज लो और बेलपत्र से गांठ बाहर निकल जाएगी.

जम्मू-कश्मीर, गुजरात और लद्दाख भूकंप के झटकों से थर्राया, रिक्टर पैमाने पर इतनी रही तीव्रता

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर, गुजरात और लद्दाख में शुक्रवार रात भूकंप के झटके महसूस किए गए. राहत की बात यह रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है. गुजरात में रात करीब 1.10 बजे रिक्टर पैमाने पर 3.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया. वहीं जम्मू-कश्मीर में 2.7 तीव्रता और लेह-लद्दाख क्षेत्र में 3.9 तीव्रता के झटके महसूस किए गए. भूकंप के झटकों से लोगों में घबराहट फैल गई, लेकिन स्थिति सामान्य बनी रही. गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, यह इलाका भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मिला लावारिस बैग, बम होने का संदेह, लोगों में अफरा-तफरी का माहौल

नई दिल्ली(आरएनएस)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक लावारिस बैग मिलने की खबर है। सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया है। लावारिस बैग मिलने के बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों में दहशत फैल गई। इस बीच, स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक लावारिस बैग मिलने की खबर है। सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया है। लावारिस बैग मिलने के बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों में दहशत फैल गई। इस बीच, स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 7.55 बजे एक कॉल आई थी, जिसमें स्टेशन के गेट नंबर 8 पर एक लावारिस बैग पड़ा होने की बात कही गई थी। अधिकारी ने बताया, इससे संदेह पैदा हुआ और हमने दमकल की एक गाड़ी मौके पर भेजी। उन्होंने बताया कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं

मिला है और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड मौके पर मौजूद हैं। यात्रियों और आस-पास खड़े लोगों को वहां से हटा दिया गया और बैग के आस-पास के इलाके को सुरक्षा के लिए घेर लिया गया। मानक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, पुलिस ने बैग को ध्यान से खोला और उसमें रखी चीज़ों की जांच की। सौभाग्य से, अंदर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने आगे की जांच के लिए बैग को अपने कब्जे में ले लिया है। इस स्तर पर, बैग छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान अज्ञात बनी हुई है। यह घटना पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद राजधानी में कड़ी सुरक्षा के बीच हुई है। दिल्ली हाई अलर्ट पर है और अधिकारी सुरक्षा खतरों को लेकर कोई जोखिम नहीं उठा रहे हैं, खासकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख पारगमन बिंदुओं पर। मामले की जांच जारी है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोहलपुर में रात्रि लगभग 3-30 बजे मोह. साजिद खान उम्र 24 वर्ष निवासी किलकारी गार्डन मैदान ठक्कर ग्राम हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कबाड़ी एवं ड्रायवरी का काम करता है खजरी खिरिया वायपास अमखेरा से अपने घर ठक्कर ग्राम जा रहा था लगभग 11-30 बजे रास्ते में पसियाना निवासी सोहेले कन्हैया डेयरी के पहले एसडीएम फर्नीचर के पास अमखेरा रोड़ में मिला और उससे शराब पीने के लिये 300 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो सोहेल गाली गलौज करने लगा,

बारिश में भी अडिग रहा संकल्प- 6 घंटे के चिंतन उपवास ने दिया देश को संदेश

धर्मनिरपेक्ष भारत की पुकार - जबलपुर से उठी चेतना की आवाज़

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री सौरभ नाटी शर्मा के आवाहन पर आज टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा परिसर में एक दिवसीय चिंतन उपवास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य था — सांप्रदायिकता के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ शांत, वैचारिक और दृढ़ विरोध दर्ज कराना, और संविधान की धर्मनिरपेक्ष आत्मा की रक्षा हेतु जनजागरण करना।

बारिश आई, लेकिन संकल्प नहीं डिगा। दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक चले इस चिंतन उपवास में शहर के सैकड़ों कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, युवजन और आम नागरिकों ने सहभागिता की। बारिश के बावजूद सभी उपस्थितजन पूरी एकाग्रता से चिंतन करते रहे और हमारा चिंतन ही हमारा विरोध है की भावना को जीवंत किया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने कहा

बारिश आई, मगर हमारे इरादे नहीं डिगे। यह उपवास केवल विरोध नहीं, एक वैचारिक आंदोलन है। हमने नारे नहीं लगाए, भाषण नहीं दिए, लेकिन हमारा चिंतन ही एक सशक्त स्वर था — जो देश को यह संदेश देता है कि भारत की आत्मा धर्मनिरपेक्षता है, और हम उसका हर हाल में संरक्षण करेंगे। जबलपुर से उठी यह चेतना की आवाज़ आज पूरे देश की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया ने कहा

आज जब देश को धर्म के नाम पर बाँटने की साजिशें की जा रही हैं, तब जबलपुर से उठा यह चिंतन संदेश नफरत के विरुद्ध प्रेम, समरसता और संविधानिक मूल्यों की सच्ची अभिव्यक्ति है। ऐसे आयोजनों को अब जन आंदोलन का रूप देना होगा।

यह चिंतन उपवास —

ज़ सांप्रदायिकता के विरुद्ध एक चेतावनी था,

ज़ संविधान की धर्मनिरपेक्ष आत्मा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक था,

ज़ और एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प था जहाँ सभी धर्मों को बराबरी का सम्मान और हर नागरिक को समान अधिकार प्राप्त हों। शहर कांग्रेस कमेटी ने इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का आह्वान किया है, ताकि जबलपुर से उठी यह वैचारिक लहर पूरे देश में लोकतंत्र, समरसता और भाईचारे की भावना को मज़बूती दे। आज के इस कार्यक्रम में शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ,विधायक लखन घनघोरिया ,पूर्व विधायक संजय यादव, दिनेश यादव, कादिर सोनी, अमरीश मिश्रा ,अयोध्या तिवारी, गुड्डू नवी, अतुल बाजपेई, कलीम खान ,सत्येंद्र चौबे,इंदिरा पाठक तिवारी,कमलेश यादव,, चिंटू चौकसे , सतीश तिवारी, अनुराग गढ़वाल,आमीन कुरैशी, प्रशांत मिश्रा, ताहिर अली,गुड्डू चौबे, मीनाक्षी स्वामी, अनुभव शर्मा, आरिफ बेग, बृजेश दुबे, पी,पी पटेल, विजय रजक, सोनू दुबे, अभिषेक यादव,नेम सिंह,रितेश अग्रवाल, रज्जू श्रॉफ,राजेंद्र पिल्ले ,राजा पांडे ,मुकेश सराफ, रितेश बंटी गुप्ता , बलविंदर मांन, सुशीला कनौजिया, भावना निगम, प्रभा सिंह, पूजा सिंह, इंदु सोनकर, सोनू दुबे, उमेश पटेल, राकेश चक्रवर्ती, रविंद्र कुशवाहा, टीकाराम कोस्टा, अलीम मंसूरी, श्याम सोलंकी, अनु यादव ,रणजीत सिंह ,सुशांत सिंह, प्रवेंद्र चौहान, रितेश नोटनानी, विष्णु विनोदिया, प्रिंस सलूजा, अतुल जोसेफ, आनंद यादव, अनुज श्रीवास्तव, रंबल विश्वकर्मा, भारत पटेल, राहुल बघेल, शुभम अग्रवाल, हुकुम जैन, असलम, पुरुषोत्तम नामदेव ,अक्षय विनोदिया, समर्थ मिश्रा ,अमित साहू, अशरफ मंसूरी, संदीप जैन, राजकुमार सोनी, सोहनलाल कटारे, सुरेंद्र यादव, कैलाश ठाकुर, रामदास यादव ,खुर्शीद अंसारी,सुरेंद्र यादव, मो, इमरान हुसैन सहित सकड़ो कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शानदार गीतों से सजी प्रसंग सुरमाला की शाम

मेरे सामने वाली खिड़की में चांद आहें भरेगा फूल दिल थाम लेंगे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। दिल को सुकून देने वाले, हृदय को स्पंदित करने वाले नगमे * बहारों ने मेरा चमन लूट कर चांद आहें भरेगा फूल दिल थाम लेंगे * मेरे सामने वाली खिड़की मे आ लगा जा गले की फिर ये हंसी रात हो ना हो,,,,,,, जैसे शानदार पुराने नगमें कला वीथिका परिसर में गुंजायमान होते रहे।अवसर था प्रसंग अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था के तत्वावधान में शानदार फिल्मी गीतों से सजी शाम सुरमाला का।इस आयोजन में जबलपुर शहर के समस्त विद्वत मनीषी अतिथि के रूप में उपस्थित थे । सुरमाला कार्यक्रम मां वीणापानी के पूजन अर्चन और वंदना से प्रारंभ हुआ। तदोपरांत डॉक्टर छाया सिंह,डॉ अम्बर प्रियदर्शी, तृप्ति त्रिवेदी, अभिमन्यु जैन, सुरेश मिश्रा विचित्र, अतिथियों के स्वागत से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । एक से बढ़कर एक पुराने शानदार नगमें सुरमाला में प्रस्तुत किए गए !आयोजन में नगर के गायक कलाकारों में सलिल तिवारी, अरुण भटनागर ,प्रिया चौधरी ,संदीप बनोधा, विनीता पैगवार विधि , प्रो.नेहा खरे, कमलेश सोनी ,ममता भास्कर, माया पांडे ,डॉ आज्ञा मिश्रा, डॉ कृष्ण कुमार दुबे, कमलकांत उपाध्याय, अरुण यादव,अशोक डहरिया ,गुलाम खान, के. के. ताम्रकार, विजय केसरवानी ,राकेश श्रीवास्तव ,मनोज पाटकर ,मनीष निगम आदि ने शानदार फिल्मी गीतों को प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया इस कार्यक्रम का शानदार संचालन किया राष्ट्रीय प्रसंग समूह के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन ने और संयोजन सलिल तिवारी ने, तथा मार्गदर्शन अर्चना गोस्वामी ने किया कोऑर्डिनेशन डॉ आज्ञा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में सूरज राय सूरज, डॉ रानू रूही,डॉ विनीता पांडे विनीत, डॉ सलमा जमाल,प्रीति नामदेव भूमिजा सुशील श्रीवास्तव का सहयोग रहा डॉ मकबूल अली कादरी ने आभार प्रदर्शन किया।

आशुतोष तिवारी की कृति विहान का विमोचन आज 4 को

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अनेकांत एवं पाथेय संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षाविद, साहित्यकार आशुतोष तिवारी की प्रथम काव्यकृति %विहान% का विमोचन 4 मई 2025 को सायं 6 बजे से कला वीथिका में आयोजित है। संयोजक राजेन्द्र मिश्रा, डॉ. संध्या जैन श्रुति एवं राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.राजेन्द्र कुररिया कुलपति अवधेश प्रतापसिंह वि.वि. रीवा होंगे। अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे करेंगे। सारस्वत अतिथि आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे होंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. अरुणा पाण्डे, डॉ. अभिजातकृष्ण त्रिपाठी डॉ. आराधना तिवारी होंगी।कृति पर चर्चा डॉ.संध्या जैन श्रुति करेंगी।

अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन

पश्चिम मध्य रेलवे के संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा एवं सतना स्टेशनों पर ठहराव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रशासन द्वारा समर के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 09407/09408 अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर 07-07 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। इस स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी।

अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन (14 सेवाएं)

गाड़ी संख्या 09407 अहमदाबाद-दानापुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 06 मई से 17 जून 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को अहमदाबाद स्टेशन से सुबह 09ः20 बजे प्रस्थान कर, संत हिरदाराम नगर रात 21ः00 बजे, पहुंचकर अगले दिन बीना मध्यरात्रि 00ः10 बजे, सागर 01ः30 बजे, दमोह 03ः00 बजे, कटनी 06ः00 बजे, सतना 07ः45 बजे पहुँचकर, अन्य स्टेशनों से होते हुए बुधवार रात 19ः00 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। (07 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 09408 दानापुर-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 07 मई से 18 जून 2025 तक प्रत्येक बुधवार को दानापुर स्टेशन से रात 22ः30 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सतना सुबह 08ः50 बजे, कटनी मुड़वारा 10ः35 बजे, दमोह 12ः10 बजे, सागर 13ः25 बजे, बीना 16ः05 बजे*, संत हिरदाराम नगर 19ः00 बजे पहुँचकर,अन्य स्टेशनों से होते हुए शुक्रवार सुबह 07ः15 बजे अहमदाबाद स्टेशन पहुंचेगी। (07 ट्रिप) ठहरावः नाडियाड, छायापुरी, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा। रेल यात्रियों से अनुरोध है कि समर स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन वेबसाइड से प्राप्त कर सकते हैं।

रेल से करें चार धाम की यात्रा

चार धाम यात्रा के लिए चलाई जा रही भारत गौरव डीलक्स ट्रेन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम और द्वारका देश की चार दिशाओं में अवस्थित चार ऐसे धाम हैं जहां की यात्रा करना हर भारतीय की चाहत होती है। देश के इन चारों धाम की यात्रा रेल से कर पाना संभव है। इसके लिए भारतीय रेल द्वारा भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन चलाई जा रही है। भारतीय रेल द्वारा इससे पहले भी दो बार चारों धाम को जोड़ने के लिए भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन चलाई जा चुकी है। इस वर्ष दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 27 मई को 17 दिवसीय चारों धाम भारत गौरव डीलक्स यात्रा की शुरुआत होगी। इसके तहत बद्रीनाथ, माना गांव, नरसिंह मंदिर, जोशीमठ, ऋषिकेश, जगन्नाथ मंदिर, पुरी समुद्र तट, कोणार्क सूर्य मंदिर, चंद्रभागा समुद्र तट, रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी मंदिर और धनुषकोड़ी तथा द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग तथा भेंट द्वारका जैसी जगहों का भ्रमण कराया जाएगा। इस यात्रा में जाने वाले यात्रियों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, पुणे में भीमशंकर मंदिर और नासिक में त्रंबकेश्वर मंदिर का भ्रमण भी कराया जाएगा। 17 दिनों की यात्रा के दौरान सभी भक्त 8425 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन में कई आधुनिक आरामदायक फीचर जोड़े गए हैं जिसमें दो डायनिंग रेस्टोरेंट, एक मॉडर्न किचन और स्नान के लिए क्यूबिक स्नानघर शामिल हैं। सभी कोच में बायो टॉयलेट युक्त वॉशरूम की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सहूलियत के लिए फुटमसाजर भी लगाए गए हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी में टिकट बुक कराई जा सकती है। ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और सिक्योरिटी गार्ड की व्यवस्था भी की गई है। इस ट्रेन का संचालन भारतीय रेल कैटरिंग एवं टूरिज्म कारपोरेशन के माध्यम से किया जाएगा।टिकटों की बिक्री भी आईआरसीटीसी के वेबसाइट से ही की जाएगी। इसके लिए एक पैकेज रेट का निर्धारण किया गया है जिसमें जर्नी टिकट के साथ-साथ तीन सितारा होटल में रहने, तीनों टाइम का भोजन, साइटसींइग की पूरी व्यवस्था, ट्रैवल इंश्योरेंस और टूर मैनेजर की सेवा शामिल है। इस ट्रेन में बुकिंग के लिए 150 सीटें उपलब्ध है जिसे पहले आओ,पहले पाओ आधार पर बुक किया जाएगा। ट्रेन के संबंध में विस्तृत जानकारी भारतीय रेल कैटरिंग एवं टूरिज्म कारपोरेशन के वेबसाइट पर तथा उनके वेब पोर्टल पर उपलब्ध है। भारतीय रेल के कार्यकारी निदेशक सूचना एवं प्रचार दिलीप कुमार ने बताया कि देश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को जोड़ने के उद्देश्य से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का परिचालन किया जाता है। इन ट्रेनों के संचालन से विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान का भ्रमण कर पाना आसान हुआ है।

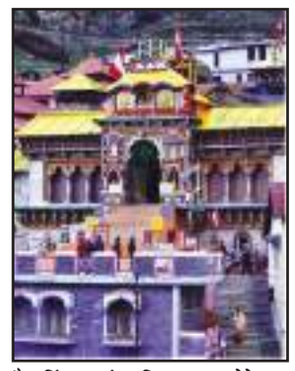

एमपी ट्रांसको में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के तत्वावधान में काकानी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन एवं जिला रोगी कल्याण समिति, रतलाम के संयुक्त सहयोग से एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन तकनीक (सीपीआर) का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एम पी ट्रांसको उच्च प्रबंधन जबलपुर द्वारा विशेष रूप से इस शिविर के लिए मुख्यालय जबलपुर से नियुक्त संयोजक अधीक्षण अभियंता श्री अनिल लाठी ने जानकारी दी कि यह शिविर ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभाग कार्यालय, रतलाम में कलेक्टर श्री राजेश बाथम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संध्या बेलसरे, सिविल सर्जन डॉ. एम.एस. सागर के विशेष सहयोग तथा एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना एवं अधीक्षण अभियंता श्री वाय आर मांडलेकर के मार्गदर्शन एवं सतत प्रयासों से संभव हो सका।

सी पी आर प्रशिक्षण के साथ हुई स्वास्थ्य जांचः-

श्री अनिल लाठी ने बताया कि शिविर के दौरान डॉ. राजेश मैडा एवं डॉ. शीतल पाटीदार के निर्देशन में चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा सीपीआर सहित विभिन्न जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही, एमपी ट्रांसको के कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच — जैसे मधुमेह, रक्तचाप, दंत परीक्षण आदि — की गई तथा आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया।

गर्मी व लू से बचाव के तरीके भी बतायेः-

गर्मी के मौसम में लू, सड़क दुर्घटनाओं एवं विद्युत से संबंधित दुर्घटनाओं से बचाव हेतु जनजागरूकता भी इस शिविर का एक महत्वपूर्ण अंग रही। इस शिविर में एमपी ट्रांसको के लगभग 50 नियमित, संविदा एवं बाह्य सेवा प्रदाता कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई।

एशियन गोल्ड विजेता प्राची अर्खेल का केवी वन में हुआ सम्मान

प्राची से प्रेरणा लें विधार्थी - रजनीश सिंघई

तालिब हुसैन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बात कूछ साल पहले की है जब प्राची अर्खेल केन्द्रीय विद्यालय नं. वन जीसीएफ में पढ़ाई कर रहीं थीं, तब किसी ने सोचा नहीं था यह छात्रा एक दिन देश दुनिया में स्कूल व प्रदेश का नाम रोशन करेगी. हाल ही में आयोजित हुए एशियन योगासन चेम्पियनशिप में गोल्ड जीतकर सनसनी मचाने वाली प्राची स्कूल पहुँची तो उसका गरिमामय समारोह में सम्मान किया गया. प्राचार्य रजनीश सिंघई ने प्राची को सम्मानित करते हुए कहा शाला के छात्र छात्राओं को प्राची से प्रेरणा लेना चाहिए. जिसने कड़ी मेहनत, लगन, निष्ठा व अनुशासन में रहते हुए एशियन प्रतियोगिता में गोल्ड जीतकर यह बता दिया कि जब हौसला बुलंद हो तो मंज़िल खुद बखुद आसान हो जाती है. बताते चलें कि कि प्राची ने योगासन में दो गोल्ड जीतकर देश को गौरवान्वित किया है. प्राची ने स्कूली शिक्षा केवी वन जीसीएफ से ग्रहण की है और वर्तमान में पातंजली विश्वविद्यालय से योगा में पीजी कर रही है. सम्मान समारोह में शिक्षक आनन्द स्वरूप, अभिषेक कुमावत, पूनम, ज्योति, सुनीता, संतोष ठाकुर सहित स्टाफ व छात्र छात्राएँ मौजूद रहीं.

सुरक्षित रेल सफर की सीख देगा छोटा भीम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जन जागरूकता और रेलवे सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल के तहत पश्चिम रेलवे छोटा भीम के साथ जुड़ गया है। पश्चिम रेलवे शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियों के लिए छोटा भीम की दुनिया के प्रिय पात्रों का उपयोग करेगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी और छोटा भीम के निर्माता, ग्रीन गोल्ड एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक ने 2 मई, 2025 को जियो वर्ल्ड सेंटर, मुंबई में आयोजित विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (ङ्ख्रङ्कश्वस्) 2025 में लैटर ऑफ कोलेबरेशन पर हस्ताक्षर किए।

रेलवे आम जनता के दिलों तक पहुँचने के लिए अपरंपरागत तरीका अपनाएगी। छोटा भीम और उसके परिवार के चरित्रों का उपयोग प्रिंट, डिजिटल, टेलीविजन, रेडियो और पोस्टर तथा स्कूल कार्यक्रमों जैसे भौतिक प्रतिष्ठानों सहित विभिन्न मीडिया प्रारूपों में एक वर्ष की अवधि के लिए किया जाएगा। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य रेलवे परिसर में रेलवे सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार पर आवश्यक संदेशों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने के लिए छोटा भीम फ्रैंचाइज़ की व्यापक अपील का लाभ उठाना है, विशेष रूप से युवा दर्शकों और परिवारों को लक्षित करना। उल्लेखनीय रूप से, छोटा भीम की राष्ट्रव्यापी और वैश्विक लोकप्रियता का बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है और उन्हें सकारात्मक रूप से प्रभावित करने की क्षमता है। पश्चिम रेलवे की पहल इन परिचित पात्रों को जनहित अभियानों में एकीकृत करके पहुंच और जुड़ाव बढ़ाने के लिए इस भावना के अनुरूप है। यह साझेदारी रेलवे सुरक्षा शिक्षा को और अधिक आकर्षक और सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम है। छोटा भीम और परिवार की मदद से, पश्चिम रेलवे को उम्मीद है कि इससे एक स्थायी प्रभाव पैदा होगा और बच्चों और आम जनता को शिक्षित किया जा सकेगा। यह सहयोग रचनात्मक आउटरीच के माध्यम से जन कल्याण को बढ़ावा देने के दोनों संगठनों के साझा लक्ष्य के अनुरूप है।

सड़क दुर्घटना

जबलपुर- थाना मदनमहल में हेमंत सिंह राजपूत उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम छीतापाल थाना मझौली वर्तमान पता फेस 4 स्टार सिटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बेलखाडू शराब दुकान में मैनेजर का काम करता है आज रात लगभग 12-10 बजे वह अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एन ई 7014 से अपने दोस्त रामलाल पटैल के साथ सिविक सेंटर से अपने घर स्टार सिटी माढ़ोताल जा रहे थे जैसे ही डाक्टर अंकित सेठ की क्लीनिक के सामने पहुँचे तभी पीछे से आ रहा

भोपाल-ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने जबलपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्र की पारेषण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने माढ़ोताल (रिमझा) स्थित 132 के.व्ही. सबस्टेशन में दो नए 132 के.व्ही. सर्किटों का निर्माण कर उन्हें सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है।

जनता की संतुष्टी ही हमारा ध्येय- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अपनी दक्षता और क्षमता संवर्धन पर दें विशेष ध्यान- योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये करें बेहतर प्रबंधन

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनता की संतुष्टि ही हमारा ध्येय है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन है, इसलिए प्रदेश के हर नागरिक को सुशासन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें और उनके सुझावों पर भी अमल करें। हरसंभव तरीके से अपनी दक्षता और क्षमता बढ़ायें। जिले में चल रही सभी प्रकार की घटनाओं पर पैनी नजर रखें। योजनाओं का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित हों, इसके लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाईन में आए प्रदेश के 14 जिलों के विभिन्न प्रकरणों की सीधी सुनवाई की और आवेदकों से रू-ब-रू बात कर उनके मामले के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स सरकार की योजनाओं के डिलेवरी सिस्टम के मजबूती के लिये प्रयास करें। नागरिकों के काम समय पर हों और उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिये यहां-वहां भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित किया जाये।

समाधान ऑनलाइन में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का तय समय-सीमा में ही निराकरण किया जाये। यदि कोई मसला समाधान ऑनलाईन में आ रहा है तो यह गंभीर है। सुशासन के तहत स्थानीय स्तर पर ही आवेदकों को उनकी समस्या का निदान मिल जाये, यह सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सभी योजनाओं में जिलों के प्रदर्शन की ग्रेडिंग कराई गई है। जिला एवं पुलिस प्रशासन के बारे में फीडबैक भी लिया जा रहा है। ग्रेडिंग में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन न करने वाले जिले अपना प्रदर्शन सुधार लें और नागरिकों को बेहतर प्रशासन एवं व्यवस्थाओं को कस्टमर फ्रेंडली बनाकर उनका विश्वास हासिल करें।

किसान पराली न जलायें, इसके लिये उन्हें समझाइश दें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिले में किसानों को जागरूक करें। कलेक्टर्स किसानों को यह समझायें कि वे किसी भी स्थिति में अपने खेत में पराली या अन्य फसल अवशेष न जलायें। किसानों को पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषण फैलने के साथ-साथ खेत की मिट्टी के जलने से उसकी उर्वरता कम होने से जुड़े भावी नुकसान के बारे में भी बतायें। उन्होंने कहा कि पराली को जलाना ही कोई हल नहीं है। किसान दूसरे तरीकों से भी पराली का निदान या निपटान कर सकते हैं।

समाधान ऑनलाईन में आये ये 14 मामले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाईन में पांढुर्णा, मुरैना, उमरिया, नीमच, भिंड, बैतूल, निवाड़ी, रायसेन, नर्मदापुरम एवं धार जिले के एक-एक मामले तथा शहडोल और सतना जिले के 2-2 मामलों (कुल 14 प्रकरणों) की सीधी सुनवाई की।

पांढुर्णा जिले की आवेदिका श्रीमती कलावती हिंगवे ने शिकायत की थी कि उन्हें कपिलधारा कूप निर्माण, मेढ़ बंधान, खेत-तालाब, भूमि शिल्प, नंदन फल उद्यान के संबंध में मनरेगा की ओर से भुगतान नहीं किया गया था। कलेक्टर पांढुर्णा ने बताया?कि इस मामले में दोषी ग्राम रोजगार सहायक को पद से पृथक कर दिया गया है। पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है। दोषी सब इंजीनियर का 15 दिन का वेतन रोका गया और दोषी पाये गये सहायक यंत्री के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव कमिश्नर जबलपुर को भेज दिया गया है। वर्तमान में आवेदिका को उसका भुगतान करा दिया गया है।

मुरैना जिले के आवेदक श्री ब्रह्मलाल सिंह ने उसके फौती नामांतरण में देरी होने की शिकायत की थी। कलेक्टर ने बताया कि इस मामले में संबंधित नायब तहसीलदार को नोटिस दिया गया है और पटवारी पर भी कार्रवाई की गई है।

उमरिया जिले के आवेदक श्री दीपक कोरी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निश्शक्त पेंशन योजना में उसे पेंशन न मिलने की शिकायत की थी। आवेदक ने बताया कि शिकायत करने के बाद अब उसे पेंशन मिल रही है। कलेक्टर उमरिया ने बताया कि हितग्राही को पेंशन मिलने में देरी के लिये दोषी पाये गये समग्र सामाजिक न्याय अधिकारी की एक वेतन वृद्धि रोकी गई है। ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस दिया गया है और इस संबंध में देरी के लिये विशेष रूप से दोषी पाये गये ग्राम रोजगार सहायक से अर्थदंड की राशि तीन हजार रूपए वसूल करके आवेदक को दे दी गई है।

निर्माण कार्यों में गति लायें, समय पर करें भुगतान-उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल (आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अधोसंरचना विकास कार्यों में गति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बजट का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए तथा निर्माण कार्यों को समयसीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की धीमी गति पर चिंता जताते हुए निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए, ताकि कार्यों की गति बनी रहे और गुणवत्ता भी सुनिश्चित हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में स्वास्थ्य विभाग की अधोसंरचना विकास संबंधी कार्यों की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, सशक्त और जनहितकारी बनाने के लिए अधोसंरचना, मानव संसाधन, उपकरण, प्रबंधन और तकनीकी सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यों की सतत निगरानी करें और सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देशित किया कि निर्माणाधीन और पूर्ण हो चुके सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक उपकरण एवं फर्नीचर की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह देखा गया है कि भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बावजूद उपकरणों की अनुपलब्धता के कारण संस्थानों का संचालन प्रारंभ नहीं हो पाता, जो कि अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने इस स्थिति को सुधारने के लिए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए और कहा कि भविष्य में संचालन में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए मैनपॉवर की उपलब्धता बढ़ाने पर सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एमपीपीएससी द्वारा जुलाई एवं अगस्त माह तक दो हजार मेडिकल ऑफिसर्स और विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। एमपीईएसबी द्वारा नियमित रूप से भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को गति मिलेगी और दूरदराज क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारी एवं फील्ड वर्कर ही आमजन तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच का प्रथम संपर्क होते हैं। ऐसे कर्मचारियों के वेतन भुगतान में यदि देरी होती है, तो इससे उनके मनोबल पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन कर्मचारियों के वेतन भुगतान में किसी भी स्तर पर विलंब न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत चिकित्सकों को देय एनपीए (नॉन प्रैक्टिसिंग अलाउंस) के भुगतान में आ रही तकनीकी समस्याओं को शीघ्र सुलझाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी बाधाओं को प्राथमिकता से दूर कर समय से भुगतान किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों के अधिष्ठाताओं के वेतन संरक्षण (पे-प्रोटेक्शन) से जुड़े निर्णय, जिन्हें कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त है,

मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक चेतना, वैश्विक मंच पर हो रही अभिव्यक्त-मंत्री परमार

योग का मूल संदेश है, वसुधैव कुटुंबकम्-आयुष मंत्री परमार

भोपाल-(आरएनएस) उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने जर्मनी के शांतिपूर्ण वातावरण में स्थित बाइड माइनबर्ग के योग विद्या आश्रम में आयोजित पांचवे यूरोपीय योग सम्मेलन एवं तीसरे विश्व योग महासम्मेलन के मंच यूरोपियन एवं वर्ल्ड योग कांग्रेस -2025 में वर्चुअली सहभागिता की। मंत्री श्री परमार ने महासम्मेलन में सहभागी योग एवं आध्यात्म नेतृत्वकर्ताओं, योग साधकों एवं उपस्थित जर्मनी के नागरिकों को वर्चुअली संबोधित किया एवं आयोजकों को महासम्मेलन के भव्य आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री परमार ने भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे, मध्यप्रदेश की पवित्र नगरी उज्जैन निवासी डॉ. विक्रांत सिंह तोमर को वर्ल्ड योग कन्फेडरेशन के उपाध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से नामित किए जाने पर हार्दिक बधाई भी दी। श्री परमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की उज्जैन नगरी के डॉ विक्रांत सिंह का, इस वैश्विक महासम्मेलन में देश की ओर से प्रतिनिधित्व करना अत्यंत गौरव का विषय है। श्री परमार ने कहा कि उज्जैन एक ऐसा नगर है जो योग, तंत्र, वेद और साधना की हजारों वर्षों पुरानी परम्परा का केंद्र रहा है। इस वैश्विक महासम्मेलन में मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक चेतना, वैश्विक मंच पर अभिव्यक्त हो रही है। मंत्री श्री परमार ने हिंदी भाषा में ही अपना उद्बोधन दिया, उनके उद्बोधन के साथ उसका जर्मनी भाषा में अनुवाद उपस्थितजनों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आयुष मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह सम्मेलन न केवल योग की भौतिक अभिव्यक्ति है बल्कि एक जीवंत संदेश भी है कि योग, अब एक देश या संस्कृति तक सीमित नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता की साझी विरासत है। श्री परमार ने कहा कि यह सम्मेलन जर्मनी जैसे देश में होना भी गौरव की बात है, जहां भारतीय योग एवं आयुर्वेद पर गहन शोध हो रहे हैं। श्री परमार ने कहा कि योग का महत्वपूर्ण संदेश है, वसुधैव कुटुंबकम्। आज जब विश्व अनेक प्रकार के तनावों, संघर्षों और असंतुलनों से गुजर रहा है तब योग ही वह अमृत है जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलन दे सकता है।

मध्यप्रदेश आईटी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में दिखी विकास की झलक

भोपाल (आरएनएस)-टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का सफल आयोजन राज्य में आईटी, डेटा सेंटर, एआई और स्टार्ट-अप ईको सिस्टम के तेजी से हो रहे विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस आयोजन में कई नामी कंपनियों ने राज्य में अपने नए निवेश, विस्तार और योजनाओं की घोषणा की, जो रोजगार और नवाचार के नए अवसरों का सृजन करेगी। पंचशील रियल्टी ने इंदौर के सुपर कॉरिडोर में 1.2 मिलियन वर्ग फीट के आईटी और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट की घोषणा की है। यह कंपनी पहले से ही देशभर में 31.7 मिलियन वर्ग फीट प्रीमियम रियल एस्टेट बना चुकी है। इंदौर में यह प्रोजेक्ट आईटी और आईटीईएस कंपनियों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना राज्य में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। इससे आईटी, आईटीएस और ईएसडीएम क्षेत्रों की कंपनियों के लिये इंदौर महत्वपूर्ण स्थान बनेगा। पंचशील ब्लैकस्टोन समूह के साथ मिलकर नवी मुंबई में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर हब बना रही है, जो 65त्न तक नवकरणीय ऊर्जा पर चलेगा। पंचशील रियल्टी के चेयरमैन श्री अतुल चोरडिया का कहना है कि इंदौर में आईटी पार्क की शुरुआत हमारे लिए गर्व का विषय है। राज्य का प्रगतिशील दृष्टिकोण, निवेशक अनुकूल नीतियाँ और बुनियादी ढांचा इसे निवेश के लिए आदर्श राज्य बनाते हैं।

बेटियां वरदान होती है अभिशाप नहीं, बेटियों को आगे बढ़ाएं -मंत्री राजपूत

भोपाल (आरएनएस) बेटियां वरदान होती हैं अभिशाप नहीं, बेटियों को आगे बढ़ाएं। उक्त विचार खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर में जिला स्तरीय लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम में व्यक्त किये।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि पहले हमारी बेटियां जब जन्म लेती थीं तब उनको अभिशाप माना जाता था किंतु अब सरकार द्वारा किए गए प्रयास एवं जागरूकता के कारण अब हमारी बेटियां वरदान बन गई हैं। आज बेटियां जहां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं वहीं सुप्रीम कोर्ट में वकालत भी कर रही हैं। इसी प्रकार हमारी बेटियां कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नासा, इसरो सहित अन्य शासकीय अशासकीय संस्थानों में बड़े-बड़े पदों पर पुरुषों के बराबर कार्य कर रही हैं।मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सागर जिले की एक लाख 68 हजार बेटियां लाड़ली लक्ष्मी बन गई हैं। लाडली लक्ष्मी योजना के माध्यम से सरकार बेटियों के जन्म में से लेकर उनके विवाह तक के लिए निश्चित राशि उपलब्ध कराती है।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार बेटियों के भविष्य एवं उनके विवाह के लिए हमेशा चिंतित रहकर कार्य कर रही है और अनेक योजनाओं के माध्यम से उनको आगे बढ़ाने, आर्थिक रूप से समृद्ध एवं आत्मनिर्भर करने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज सागर में लाडली लक्ष्मी के नाम से चौराहे एवं पार्क का नाम रखा है। उन्होंने कहा कि आज लाडली लक्ष्मी योजना को 18 वर्ष से अधिक हो गए हैं और तब की लाडली लक्ष्मी आज अपने घर की लक्ष्मी बनाकर आगे बढ़ रही हैं।

सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि बेटियां हैं तो कल है, बेटियां ही कल का भविष्य हैं और बेटियां ही हमारा भारत देश है, इसलिए बेटियों को आत्मनिर्भर बनाएं एवं उनको आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण भी दिलाएं जिससे कि वह अपना कार्य पूरी निर्भयता के साथ कर सकें। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजपूत एवं सांसद श्रीमती लता वानखेड़े सहित समस्त अतिथियों के द्वारा पोषण मेले का अवलोकन किया गया एवं पौधारोपण भी किया गया। मंत्री श्री राजपूत ने बाल विवाह रोकने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाडली लक्ष्मी बेटियां मौजूद थीं।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड जून में प्रथम चरण की परीक्षा करेगा आयोजित

भोपाल-मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड इस वर्ष जून माह में प्रथम चरण की परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुत्तीर्ण छात्रों के लिये %रूक जाना नहीं% योजना में कक्षा 10वीं और 12वीं के साथ %आ लौट चलें% कक्षा 10वीं, 12वीं, ओपन स्कूल परम्परागत परीक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं, आईटीआई समकक्ष कक्षा 12वीं, सीबीएसई ऑन डिमांड कक्षा 12वीं की परीक्षा 2 जून 2025 से 2 पारियों में की जा रही हैं। प्रथम पारी में समस्त 12वीं कक्षा की परीक्षा तथा द्वितीय पारी में समस्त 10वीं, 8वीं और 5वीं की परीक्षा आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा की समय-सारणी मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिये ई-मेल या मोबाईल ऐप- द्बश्नह्यश्नह्यद्गङ्घ और फोन नम्बर- 0755-2552106 से भी प्राप्त की जा सकती है। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल से अनुतीर्ण हुए विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण वर्ष खराब नहीं हो, इस उद्देश्य से राज्य शासन की अनुमति से %रूक जाना नहीं% योजना का संचालन मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। इसमें माध्यमिक शिक्षा मंडल में नियमित और स्वाध्यायी (प्रायवेट) रूप से शामिल अनुतीर्ण विद्यार्थियों को उसी वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का अवसर प्रदान किया जाता है,

अपने सपनों को ऊंची उड़ान दें और आत्मनिर्भर बनें - मंत्री सुश्री भूरिया

भोपाल (आरएनएस) प्रदेश में आज 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया झाबुआ जिले में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि बालिकाओं के आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति आशा की नींव हैं। यह योजना बच्चियों को शैक्षणिक और लैंगिक समानता की सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई थी।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि हमेशा अपने जीवन का लक्ष्य तय करें और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयास और मेहनत करते रहें। कभी भी जीवन के लक्ष्य से भ्रमित न हों। उन्होंने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ संस्कार भी आवश्यक है। राज्य शासन ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के जरिए बालिकाओं के उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी भी ले ली है। गरीब परिवारों की बच्चियों के कॉलेज शिक्षा के लिएआर्थिक सहायता दी जाती है। कलेक्टर सुश्री नेहा मीना ने कहा कि जीवन में आर्थिक रूप से सक्षम बनना अत्यंत आवश्यक है। भविष्य के लिए आज से निर्धारित करें कि आने वाले 10 से 15 वर्षों में आप कहाँ होंगे। उन्होंने कहा कि देश और समाज के विकास में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करते हुए अपने आपको सशक्त बनाए। इस अवसर पर लाड़ली लक्ष्मियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही बालिकाओं ने आत्मरक्षा के तरीकों का भी प्रदर्शन किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं को सम्मानस्वरूप प्रमाण-पत्र वितरित किए।

दमोह जिले के जरारूधाम गौ-अभ्यारण में पंच-सरपंच सम्मेलन एवं जल गंगा संवर्धन का आयोजन

अच्छा कार्य करने वाली पंचायतों को विकास कार्यो के लिये मिलेगी पर्याप्त राशि- मंत्री पटेल

भोपाल- (आरएनएस) पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आने वाले वर्षों में पंचायतों को विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जो पंचायतें अच्छा कार्य करेंगी, उन्हें विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। पंचायतों में सुविधा संपन्न पंचायत भवन बनाने के लिए राज्य सरकार 37.5 लाख और 48.5 लाख रुपये की राशि प्रदान करेगी। इनमें एक भवन क्लस्टर स्तर पर होगा जिसमें सब इंजीनियर का कार्यालय भी बनाया जाएगा । यह बात मंत्री श्री पटेल ने दमोह जिले के जरारूधाम गौ-अभ्यारण में पंच-सरपंच सम्मेलन एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम एवं जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में कही।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के तहत 600 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से जारी की गई है। उन्होंने कहा कि अब कोई भी दुर्घटना होने पर अब 24 से 48 घंटे के भीतर पीड़ित श्रमिक परिवार को सहायता राशि घर पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना श्रमिकों के लिए बड़ा सहारा साबित हो रही है। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जरारूधाम क्षेत्र में पथरीले स्थान पर हरियाली लाने के लिए 10 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जो पर्यावरण संतुलन में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पौधरोपण वहीं किया जाएगा जहाँ पौधों को जीवित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए। विशेष रूप से नदियों के उदगम स्थलों को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के समीप स्थित पंचायतों के लिए कार्य योजना भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार की जाएगी।

संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी ने कहा कि पंच-सरपंच सम्मेलन को ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न पहलुओं पर मंथन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है । उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान से गांवों की रचना और विकास योजना को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हैंडपम्प और अन्य जल स्त्रोतों के सूखने की समस्या को जल रिचार्जिंग के माध्यम से हल किया जाएगा। राज्यमंत्री श्री लखन पटेल ने कहा कि पंच-सरपंच सरकार की योजनाओं को ज़मीन पर उतारने की सबसे निचली लेकिन सबसे मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हर वर्ष जल स्तर 50-100 फीट नीचे जा रहा है, इसलिए पुराने कुएं, बावड़ियों का संरक्षण आवश्यक है। सांसद श्री राहुल सिंह लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में बुंदेलखंड की एक-एक इंच ज़मीन को पानी से सींचने का संकल्प लिया गया है।

सनातन धर्म में दैनिक पूजा पाठ को विशेष महत्व दिया गया है, संसार रूपी जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने परम लक्ष्य ईश्वर प्राप्ति को नहीं भूलना चाहिए, भगवान की दैनिक पूजा पाठ सभी को करना चाहिए, कलयुग में पूजा पाठ यज्ञ हवन आदमी से हो नहीं पाता है तो नाम स्मरण सर्वश्रेष्ठ बताया गया है जो सबसे सरल और आसान है, आप चलते फिरते कही भी पूजा पाठ कर सकते है. स्त्री और पुरुष परिवार रूपी गाड़ी के दो प्रमुख अंग है, इनको जीवन में अलग अलग जिम्मेदारी दी गई है, पुरुष को नौकरी, कामकाज और आर्थिक जिम्मेदारी दिए गई है

न्यायपालिका पर हमले

उप-राष्ट्रपति ने संसद को सर्वोच्च बताया है। यानी संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिसका न्यायिक परीक्षण नहीं होना चाहिए। इस तरह जगदीप धनखड़ ने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है।

न्यायपालिका पर हमले जारी रखते हुए उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब ये विवादास्पद बात कही है कि भारतीय व्यवस्था में संसद सर्वोच्च है। इस तरह उन्होंने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है। धनखड़ के मुताबिक संसद के ऊपर सिर्फ मतदाता हैं, जो संसद का चुनाव करते हैं। इस तर्क को आगे बढ़ाया जाए, तो उसका अर्थ निकलेगा कि निर्वाचित होने के बाद संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिनमें संविधान संशोधन बिल भी शामिल हैं। यह तर्क सीधे तौर पर संवैधानिक अदालतों के अस्तित्व को चुनौती है। इसलिए कि संवैधानिक अदालतों (सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट) को संविधान ने संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या का अधिकार दिया है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट को संसद से पारित विधेयकों के परीक्षण का अधिकार भी हासिल है। भारत में न्यायशास्त्र के विकास के साथ सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के बुनियादी ढांचे का सिद्धांत विकसित किया है। इस ढांचे से हेरफेर करने वाले कानूनों को रद्द कर देने का अधिकार उसे हासिल है। फिर संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रावधान है कि 'न्याय को पूर्णता प्रदान करने के लिए' सुप्रीम कोर्ट आदेश जारी कर सकता है। यह आदेश सारे देश में लागू होगा। जहां तक सर्वोच्चता का सवाल है, तो भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में शक्तियों के अलगाव का सिद्धांत अपनाया गया है।

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का दुलमुल रवैया

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लेकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है।

व्यंग्यः आस्तीन में घर हैं जिनके

विवेक रंजन श्रीवास्तव

सोशल मीडिया में खालिस भारतीय %विदेशी भक्त% और उनकी दोहरे चरित्र देखने लायक हैं। भारत के डिजिटल जंगल में इस नई प्रजाति का उदय हुआ है , जिनकी जुबान %वैश्विक नागरिकता% का राग अलापती है, पर भारत की आस्तीन में छुपा उनका %घर% किसी और ही महाद्वीप का पता बताता है। ये वो शख्सियतें हैं जो भारत की मिट्टी में पलती-बढ़ती हैं, पर उनकी नज़रें हमेशा विदेशी स्टैंडर्ड्स के पैमाने से ही देश को नापती हैं। अगर कोई भारत सरकार की आलोचना करे, तो ये उसकी पीठ थपथपाने को तैयार मिलते हैं।

यदि सरकार के समर्थन में कुछ लिख दिया तो यह ब्रिगेड भक्त का टाइटिल देने में देर नहीं लगाती , इस तरह वे स्वयं को कथित सेक्युलर साबित करने में जुट जाते हैं। विदेशी सरकारों के मुंह से भारत पर कोई टिप्पणी निकले, तो ये उसे सच्चाई का आईना घोषित कर देते हैं। आस्तीनों में बसे इनके %घर% की नींव तो शायद , न्यूयॉर्क या जेनेवा की मिट्टी से बनी है! इनके रहने वाली बांबी भीतर ही भीतर पाकिस्तान और बंगलादेश तक जुड़ी हुई है।

इनका व्यंग्य-शस्त्रागार बेहतरीन होता है। सरकार ने कोई नीति बनाई? तुरंत ट्विटर पर ट्रेंड करो- अरे, स्वीडन में ऐसा होता तो...। किसी भारतीय संस्था ने कोई उपलब्धि हासिल की? ..पर सिंगापुर में तो ये सालों पहले...। ये लोग कॉम्पेयर एंड डिस्पेयर के मास्टर हैं। इन्हें पता ही नहीं कि स्वीडन की आबादी भारत के एक छोटे राज्य जितनी है, या सिंगापुर का भूगोल चंडीगढ़ से छोटा है। पर इन्हें यथार्थ से क्या लेना-देना? इनका काम वर्चुअल एक्सपर्ट बनकर अपने ही देश को लताड़ना है। ये अभिव्यक्ति की आज़ादी की दुहाई देते हैं, पर इनकी परिभाषा में आज़ादी सिर्फ़ सरकार की आलोचना करने तक सीमित है।

सुरक्षा और रोजगार की गारंटी के साथ बढ़ा महिला श्रमिकों का सम्मान

हर वर्ष 1 मई को हम श्रमिक दिवस मनाते हैं। यह एक ऐसा दिन जो श्रमिकों के अथक परिश्रम, संघर्ष और योगदान को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक संपदा के लिए प्रसिद्ध है, राज्य की आर्थिक प्रगति में महिला श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भी जाना जाता है।

कृषि, खनन, वनों से प्राप्त उत्पादों और छोटे उद्योगों पर आधारित अर्थव्यवस्था वाले छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में महिलाएँ खेती-बाड़ी, तेंदूपत्ता संग्रहण और हस्तशिल्प निर्माण जैसे कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में निर्माण कार्य, घरेलू सेवाएँ और छोटे व्यापारों में उनकी भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। महिला श्रमिकों की भागीदारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्रों में, फिर भी उनकी मेहनत को अब भी उचित मान्यता और पारिश्रमिक नहीं मिल पाता। महिला श्रमिकों के सामने कई चुनौतियाँ हैं। जिनमें समान वेतन का अभाव, समान कार्य के बावजूद वेतन असमानता, खनन और निर्माण जैसे क्षेत्रों में असुरक्षित परिस्थितियाँ, प्रसूति लाभों और स्वास्थ्य सुविधाओं की सीमित पहुँच, कम पढ़ाई और तकनीकी प्रशिक्षण के कारण सीमित अवसर, पारंपरिक सोच और घरेलू जिम्मेदारियाँ उनकी स्वतंत्रता को सीमित करती हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिसमें मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण मिशन के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए विशेष सहायता दी जा रही है। नई श्रमिक नीति द्वारा असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत महिला श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को अनिवार्य बनाया गया है। महिला शक्ति केंद्रों के विस्तार से प्रत्येक जिले में महिला शक्ति केंद्र स्थापित कर महिला श्रमिकों को कानूनी सहायता, स्वास्थ्य सुविधा और रोजगार परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देकर महिला स्वावलंबन के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। सखी वन स्टॉप सेंटर में हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए त्वरित सहायता और पुनर्वास की व्यवस्था। मनरेगा में महिलाओं के भागीदारी बढ़ाने रोजगार दिवसों में महिलाओं के न्यूनतम 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में महिला श्रमिकों कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें मुख्य रूप से मिनीमाता महतारी जतन योजना है, जो पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसूति सहायता प्रदान करती है।इस योजना के तहत बच्चे के जन्म के बाद पंजीकृत महिला श्रमिकों को 20 हजार की एकमुश्त राशि मिलती है। इसके अलावा राज्य सरकार विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम और सहायता योजनाएं भी चलाती है, जो महिला श्रमिकों को सशक्त बनाने में मदद करती हैं।

मंगलवार को जरूर करें ऋण मोचन मंगल स्तोत्र का पाठ, कभी नहीं सताएगी आर्थिक तंगी

मंगलवार के दिन ऋण मोचन मंगल स्तोत्र के पाठ करने से व्यक्ति को हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वहीं इस स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को कर्ज की समस्या से भी राहत मिल सकती है। क्योंकि हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है।

हिंदू धर्म में मंगलवार का दिन हनुमान को समर्पित होता है। इस दिन विशेष रूप से हनुमान जी की पूजा-अर्चना और व्रत किया जाता है। ऐसे में अगर आप भी हनुमान जी की कृपा और आशीर्वाद पाना चाहते हैं तो आपको मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। इस दिन हनुमान जी की पूजा के साथ चालीसा और स्त्रोत का पाठ भी करना चाहिए। इससे व्यक्ति को धन-संबंधी परेशानियों से मुक्ति मिल सकती है। वहीं इस स्त्रोत का पाठ करना काफी लाभकारी माना जाता है। मंगलवार के दिन ऋण मोचन मंगल स्तोत्र के पाठ करने से व्यक्ति को हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वहीं इस स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को कर्ज की समस्या से भी राहत मिल सकती है। क्योंकि हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में वह अपने भक्तों की सभी संकट दूर करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऋण मोचन मंगल स्तोत्र के बारे में बताने जा रहे हैं।

छात्रों के विरोध अश्लील और असभ्य

प्रियंका सौरभ

दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लासरूम की दीवारों पर गोबर लीपा और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया।

यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव-यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक वक्तव्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है- क्या विविद्यालय सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं? क्या छात्र आंदोलन केवल 'विचारों' से नहीं, अब 'गंध' से भी संवाद करने लगे हैं?

यह विरोध दिल्ली यूनिर्वसटिी के साउथ कैम्पस के एक कॉलेज में हुआ जहां छात्रों ने गोबर लीप कर क्लासरूम को 'पवित्र' करने की कोशिश की। दरअसल, 'पवित्रता' का यह तंज था-एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र 'अपवित्र' मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय, और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।

भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवन शैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की 'पवित्रता' को उलट देता है, बल्कि दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं। यह विरोध दरअसल उस छद्म सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर चोट करता है जो गाय, गोबर और गंगा जल को पवित्र मानता है, लेकिन दलित, आदिवासी व वंचित समुदायों की पीड़ा को अपवित्र विषय मानता है।

भारतीय विविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं, जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है, तो उसे 'राष्ट्रविरोधी', 'गद्दार', या 'विकास-विरोधी' कहा जाने लगता है। कैम्पस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल 'असभ्यता' कह कर खारिज करना आसान है, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है जो वर्षों से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही विकल्प बनते हैं। यह विरोध 'हिंसक' नहीं था, लेकिन 'सुगंधित' भी नहीं था।

सारा जीवन अपने पति भगवान श्रीराम के प्रति समर्पित रहीं भगवती श्रीसीता

भगवान श्रीराम की पत्नी सीताजी राजा जनक की पुत्री हैं इसलिए उन्हें जानकी नाम से भी पुकारा जाता है। रामायण ग्रंथ के अनुसार सीताजी ने उच्च मर्यादित जीवन जिया और सारा जीवन अपने पति भगवान श्रीराम के प्रति समर्पित रहीं। भारतीय देवियों में भगवती श्रीसीताजी का स्थान सर्वोत्तम है। रामायण ग्रंथ के मुताबिक प्राचीन काल में मिथिलापुरी में सीरध्वज जनक नाम के प्रसिद्ध धर्मात्मा राजा राज्य करते थे। वे शास्त्रों के ज्ञाता, परम वैराग्यवान तथा ब्रम्हज्ञानी थे। एक बार राजा जनक यज्ञ के लिए भूमि जोत रहे थे। भूमि जोतते समय हल का फाल एक घड़े से टकरा गया। राजा ने वह घड़ा बाहर निकलवाया। उससे राजा को अत्यन्त ही रूपवती कन्या की प्राप्ति हुई। राजा ने उस कन्या को भगवान का दिया हुआ प्रसाद माना और उसे पुत्री के रूप में बड़े लाड़ प्यार से पाला। उस कन्या का नाम सीता रखा गया। जनक की पुत्री होने के कारण वह जानकी भी कहलाने लगीं। धीरे धीरे जानकीजी विवाह योग्य हो गयीं। महाराज जनक ने धनुष यज्ञ के माध्यम से उनके स्वयंवर का आयोजन किया। निमंत्रण पाकर देश विदेश के राजा मिथिला में आये। महर्षि विश्वामित्र भी श्रीराम और लक्ष्मण के साथ यज्ञोत्सव देखने के लिए मिथिला में पधारे।

अब मजदूर का बच्चा मजदूर नहीं रहेगा, श्रम विभाग द्वारा किए जा रहे विशेष प्रयास

छगन लोन्हारे

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। श्रम विभाग के तीनों मंडल - छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, छ.ग. असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं छ.ग. श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। इसी का परिणाम है कि बीते सवा साल में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 500 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित किए जा चुके हैं। प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन का कहना है कि प्रदेश में विष्णु देव सरकार के सुशासन में अब मजदूर का बच्चा मजदूर नहीं रहेगा। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हितों में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। इनमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार किट योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निः शुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना संचालित की जा रही है। प्रदेश के श्रम मंत्री देवांगन का कहना है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि हर हाथ को काम इस दिशा में प्रदेश के वाणिज्य उद्योग एवं श्रम विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। श्रम विभाग के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 255 करोड़ 31 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। मजदूर दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस या श्रमिक दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए संकल्प लेना है। यह दिन श्रमिकों के योगदान को याद करने और उनके संघर्षों को सम्मानित करने के लिए भी मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1886 में शिकागो के हेमार्केट स्क्वायर में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की याद में मनाया जाता है, जहां अनेक श्रमिकों ने 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग की थी। सन् 1889 में, द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में घोषित किया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों को सुनिश्चित करना, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए आवाज बुलंद करना है। भारत में मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत 1923 में चेन्नई (मद्रास) से हुई थी। भारतीय संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने श्रमिकों के काम का समय 12 घंटे से घटाकर 8 घंटे किया। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं को प्रसूति अवकाश की सुविधा उपलब्ध कराई।

श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत अटल श्रम सशक्तिकरण योजना के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में 125 करोड़ 10 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह वर्ष 2025-26 में पंजीकृत 2 लाख 26 हजार संगठित श्रमिकों के लिए राज्य शासन के अनुदान हेतु 6 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन का कहना है कि विष्णु देव सरकार की सोच है कि हर हाथ को काम मिले उसका उचित दाम मिले और हर पेट को अन्न मिले यह हमारी सरकार की आदर्श नीति है। इस नीति को क्रियान्वित करने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना प्रदेश के सभी जिलों में प्रारंभ करने की घोषणा की गई है, जिसके परिपालन में इस वर्ष 13 जिलों में 31 भोजन केंद्र प्रारंभ किए जा चुके हैं। जिसका विस्तार चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में समस्त जिलों में किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के कर्मकारों एवं निर्माण श्रमिकों के पंजीयन हेतु विकासखण्ड स्तर पर मोबाईल कैम्प लगाए जाने की पहल विभाग द्वारा की गई है। अब तक 4 हजार 705 मोबाईल कैम्प लगाए जा चुके हैं। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु चालू वित्तीय वर्ष में 6 करोड़ 24 लाख 25 हजार रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। श्रम विभाग के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं का मुख्य दायित्व श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को भी चिकित्सा हित लाभ उपलब्ध कराया जाता है। कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के लिए 64 करोड़ 18 लाख रूपए का प्रावधान राज्य सरकार द्वारा किया गया है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज अपने व्यक्तित्व और स्वभाव में लाया गया परिवर्तन बेहतरीन रहेगा। सामाजिक तथा पारिवारिक लोगों की तरफ से विशेष मान-सम्मान मिलेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी अपरिचित व्यक्ति से ज्यादा घुलने-मिलने से आपको बचना चाहिए। आज अपनी खास योजना किसी से भी शेयर न करें।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना दूसरों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। आज किसी रुके हुए काम को पूरा करने के लिए उचित समय है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसायिक कार्यप्रणाली में बेहतर सुधार आने से आपके कार्य समय से पूरे होते रहेंगे।

सिंह राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित जानकारी हासिल करने से ज्यादा सफलता मिलेगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज का समय उपलब्धियों वाला है। आज अपनी पूरी मेहनत व ऊर्जा अपने कार्यों के प्रति लगायेंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप जानते हैं कि आपका काम मुश्किल नहीं है बस आपको हौसला बनाकर रखना है। करियर में सुधार करने के लिए जिन बातों में बदलाव करना है,

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके परिवार में आपसी सौहार्द बना रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में मामले स्पष्ट रखें। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ ठीक रहेगा। आपकी इनकम अच्छी रहेगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी माँ की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे।

मीन राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। अन्य लोगों की मदद से आज आपके रुके कार्य पूरे हो जायेंगे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की बड़े पैमाने पर वापसी का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति आतंकवादियों के मुंह पर जोरदार तमाचा होगी और यह क्षेत्र की दृढ़ता का प्रमाण होगी। पहलगाम में एक शोक सभा में डॉ. अब्दुल्ला ने शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की और प्रतिकूल परिस्थितियों में लोगों की एकता की प्रशंसा की। उन्होंने क्षेत्र में शांति को बाधित करने का प्रयास करने वालों का जिक्र करते हुए कहा, लोगों की एकता और दृढ़ता के कारण उनके चेहरे काले पड़ जाएंगे।

मतदाता सूची पर उठते सवालों के लिए चुनाव आयोग की पहल, उठाए 3 कदम

नईदिल्ली (आरएनएस)। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की सटीकता पर उठ रहे सवालों का जवाब देने के लिए 3 बड़े कदम उठाए हैं। उसने यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए दी।

आयोग अब मतदाता सूचियों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपडेट करने के लिए मृत्यु पंजीकरण का डेटा प्राप्त करेगा और बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) को मानक पहचान पत्र जारी करेगा।

इसके साथ ही आयोग मतदाता सूचना पर्चियों को अधिक मतदाता-अनुकूल बनाने के लिए कदम उठाएगा।

आयोग मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 9 और जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (2023 में संशोधित) की धारा 3(5)(बी) के अनुरूप भारत के महापंजीयक से इलेक्ट्रॉनिक रूप से मृत्यु पंजीकरण डेटा प्राप्त करेगा।

इससे चुनाव पंजीकरण अधिकारियों को पंजीकृत मौतों के बारे में समय पर जानकारी मिल सकेगी।

साथ ही बीएलओ भी फॉर्म 7 के तहत औपचारिक अनुरोध की प्रतीक्षा किए बिना, मौके पर जाकर जानकारी को फिर से सत्यापित कर सकेगा।

आयोग ने फैसला लिया है कि मतदाता सूचना पर्चियों को नई डिजाइन के जरिए अधिक अनुकूल बनाया जाए, ताकि मतदाताओं को अपना नाम ढूंढने में दिक्कत न हो। इसके लिए मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी और ही फॉन्ट का आकार भी बढ़ाया जाएगा।

इससे मतदाता और मतदान अधिकारियों के लिए मतदाता सूची में उनके नाम को कुशलतापूर्वक ढूंढना आसान हो जाएगा।

आयोग अब ईआरओ द्वारा नियुक्त सभी बीएलओ को मानक फोटो पहचानपत्र जारी करेंगे, ताकि मतदाता सत्यापन और पंजीकरण अभियान के दौरान नागरिक बीएलओ को पहचान सकें और विश्वासपूर्वक बात कर सकें।

आयोग ने कहा कि मतदाताओं और आयोग के बीच पहले इंटरफेस के रूप में बीएलओ की पहचान जरूरी है, ताकि वह घर-घर जाकर आसानी से काम कर सके और पहचान बना सके।

ये सुझाव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की मौजूदगी में चुनाव आयुक्तों के सम्मेलन में आए थे।

मतदाता सूची की सटीकता को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र चुनाव के दौरान कई लाख मतदाता अचानक बढ़ गए थे। अन्य पार्टियों ने चुनाव आयोग को इस मुद्दे पर घेरा था।

सभी सरकारें श्रमिक वर्गों के प्रति अपना संवैधानिक दायित्व जरूर निभाएं : मायावती

लखनऊ (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि सभी सरकारें भी मजदूरों और श्रमिक वर्गों के प्रति अपना संवैधानिक दायित्व जरूर निभाएं।

बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज के आधुनिक युग में जब सरकारी स्तर पर भी व्यवसायीकरण अपने चरम पर है और श्रम, श्रमिकों व मजदूरों के महत्व को अत्यंत कम करके आंके जाने की परंपरा है, किंतु उस वर्ग का हर स्तर पर शोषण जारी रहने के कारण मजदूर दिवस का उद्देश्य व भूमिका हमेशा की तरह आज भी प्रासंगिक व आवश्यक।

उन्होंने आगे लिखा, अत: देश के करोड़ों मजदूरों व श्रमिक वर्ग में भी खासकर महिला समाज को, अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस की बधाई एवं उन्हें अपने मानवीय हक के लिए लगातार संघर्ष करते रहने में सफलता की शुभकामनाएं। सभी सरकारें भी मजदूरों व श्रमिक वर्गों के प्रति अपना संवैधानिक दायित्व जरूर निभाएं।

इससे पहले मायावती ने सोशल मीडिया के जरिए केंद्र सरकार के जाति जनगणना कराने का फैसले का स्वागत किया। उन्होंने एक्स पर लिखा था, देश में मूल जनगणना के साथ ही 'जातीय जनगणना' कराने का केंद्र सरकार द्वारा आज लिया गया फैसला काफी देर से उठाया गया सही दिशा में कदम। इसका स्वागत। बीएसपी इसकी मांग काफी लंबे समय से करती रही है। उम्मीद है कि सरकार 'जनगणना से जनकल्याण' के इस फैसले को समय से जरूर पूरा कराएगी।

बता दें कि 1 मई को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया जाता है। इस दिन मजदूरों को उनके अधिकारों के प्रति जागृत करना है। इसके साथ उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना है।

कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कानपुर में शहीद शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी.

नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में बसव जयंती के अवसर पर समाज सुधारक गुरु बसवेश्वर को श्रद्धांजलि समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, किरेन रिजिजू, वी. सोमन्ना और प्रल्हाद जोशी, सांसद शोभा करंदलाजे और अन्य।

हजार की शर्त और बिना पानी मिलाए 5 बोतल शराब पी गया युवक, इलाज के दौरान मौत

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के बेंगलुरू में 21 साल के एक युवक ने 10 हजार रुपये की शर्त के लिए अपनी जान गंवा दी। रिपोर्ट के अनुसार मृतक कार्तिक ने अपने दोस्तों के सामने दावा किया था कि वह पांच बोतल शराब बिना पानी मिलाए पी सकता है। ऐसे में उसके दोस्तों ने कहा था कि ऐसा करने पर उसे 10 हजार रुपये मिलेंगे। कार्तिक ने शर्त के अनुसार बिना पानी मिलाए पांच बोतल शराब पी ली और शर्त जीत गया, लेकिन शराब पीने के थोड़ी देर बाद ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।

कार्तिक को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। कार्तिक की शादी लगभग एक साल पहले हुई थी और वह आठ दिन पहले ही पिता बना था।

कार्तिक ने अपने दोस्त वेंकट रेड्डी, सुब्रमणि और तीन अन्य दोस्तों से कहा था कि वह पानी मिलाए बिना शराब की पांच पूरी बोतलें पी सकता है। इस पर वेंकट रेड्डी ने कार्तिक से कहा था कि अगर वह ऐसा कर सकता है तो वह उसे 10,000 रुपये देगा। कार्तिक ने पांच बोतलें पी लीं, लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। उसे कोलार जिले के मुलबागल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पिता बनने के 8 दिन बाद की बेवकूफी

इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वेंकट रेड्डी और सुब्रमणि समेत छह लोगों के खिलाफ नांगली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल शराब पीने से लगभग 2.6 मिलियन लोग मरते हैं, जो वैश्विक मृत्यु का 4.7 प्रतिशत है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, शराब के सेवन का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है। शराब के सेवन के %सुरक्षित% स्तर की पहचान करने के लिए, वैध वैज्ञानिक साक्ष्य की जरूरत होगी, जो यह साबित करे कि एक निश्चित स्तर तक या उससे कम शराब पीने से सेहत को कोई नुकसान नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नए बयान में साफ किया गया है कि शराब पीने का कोई तय स्तर नहीं है, जहां से कैंसर होना शुरू होता है या अन्य तरह की बीमारियां होती है।

अब तक किसी रिपोर्ट में यह भी साबित नहीं हुआ है कि कम मात्रा में शराब पीने से हार्ट अटैक या डाइबिटीज जैसी बीमारियों से छुटकारा मिलता है। शराब और अन्य अवैध दवाओं के लिए यूरोप में विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय सलाहकार डॉ. कैरिना फेरेरा-बोर्गेस ने कहा हम शराब के सेवन के तथाकथित सुरक्षित स्तर के बारे में बात नहीं कर सकते। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितना पीते हैं। शराब की पहली बूंद से ही सेहत को नुकसान शुरू हो जाता है। एकमात्र चीज जो हम निश्चित रूप से कह सकते हैं, वह यह है कि जितना अधिक आप पीते हैं, यह उतना ही अधिक हानिकारक है या, दूसरे शब्दों में, जितना कम आप पीते हैं, यह उतना ही सुरक्षित है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एस जयशंकर और शहबाज शरीफ से बात की

नईदिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को अमेरिका कम करना चाहता है। बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से तनाव को कम करने का आग्रह किया। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने जानकारी देते हुए बताया कि रुबियो ने बातचीत के दौरान हमले पर चिंता जताई। प्रवक्ता के मुताबिक, रुबियो ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। साथ ही उन्होंने दोनों देशों को क्षेत्रीय तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति-स्थिरता को बढ़ावा देने के के लिए प्रोत्साहित किया। गुरुवार को जयशंकर ने एक्स पर बताया, %कल रुबियो से पहलगाम हमले पर चर्चा हुई। इसके अपराधियों, समर्थकों, साजिशकर्ताओं को कटघरे में लाया जाना चाहिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, शरीफ ने रुबियो को दक्षिण एशिया में हाल के घटनाक्रमों के संबंध में पाकिस्तान के दृष्टिकोण से अवगत कराया।

अक्षय तृतीया के अवसर पर यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के दौरान का सामान्य दृश्य.

बांग्लादेश में पाकिस्तान की आईएसआई की मौजूदगी बढ़ने का संकेत, सीमा पर हाई अलर्ट

नई दिल्ली(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत का पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ गया है। इस बीच केंद्र ने खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिए बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाओं पर हाई अलर्ट जारी किया है।

बताया जा रहा है कि बांग्लादेश में पाकिस्तान की आईएसआई और पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति बढ़ रही है, जिसको देखते हुए एजेंसियों और सुरक्षा बलों को बांग्लादेश सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान अपने बांग्लादेशी समकक्षों के साथ वहां मौजूद कट्टरपंथी इस्लामी संगठन के साथ भी रिश्तों को मजबूत कर रहा है। पाकिस्तान इन कट्टरपंथी तत्वों का उपयोग, दोनों देशों के बीच विवाद पैदा होने की स्थिति में भारत के लिए परेशानी बढ़ाने के लिए कर सकता है। दूसरी तरफ, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार की कार्यवाहियों से भी भारत अधिक चौकन्ना है। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर पहले से स्थिति काफी संवेदनशील है। पिछले दिनों वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुए दंगों के बाद आरोप लगाया गया था कि अवैध बांग्लादेशी इसमें शामिल थे।

पाकिस्तान से टेंशन के बीच राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री को किया फोन

नईदिल्ली (आरएनएस)। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव बरकरार है। इस बीच आज भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग्सेथ से फोन पर बात की है। वहीं, भारतीय नौसेना ने अपने युद्धपोत आईएनएस सूरत को पहली बार सूरत के हजीरा पोर्ट पर तैनात किया है। इसके अलावा नौसेना ने अपने सभी युद्धपोत को अलर्ट पर रखा है।

गुजरात के नजदीक तटरक्षक बलों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय नौसेना ने अरब सागर में प्रशिक्षण किया है। पिछले कुछ दिनों में अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट गोलीबारी की प्रैक्टिस की गई है।

युद्धपोतों को किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया है।

नौसेना ने विध्वंसक श्रेणी के युद्धपोत आईएनएस सूरत को हजीरा पोर्ट पर तैनात किया है। इसमें आधुनिक हथियार, रडार, हेलीकॉप्टर और मिसाइलें लगी हैं, जो इसे समुद्री सुरक्षा के लिए बेहद प्रभावी बनाती हैं।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रमुख सदानंद दाते ने आज पहलगाम का दौरा किया। वे सुबह करीब 11 बजे बायसरन पहुंचे और करीब 3 घंटे यहां रहे। वहीं, एनआईए की एक टीम ने घटनास्थल की 3डी मैपिंग भी की। इसका इस्तेमाल आतंकियों का रूट पता करने और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी पाने के लिए किया जाएगा।

बता दें कि एनआईए हमले के बाद अब तक 2,500 से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है।

भारत ने पाकिस्तानी विमानों की नेविगेशन प्रणाली को जैमर से बाधित किया

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से खतरों को टालने के लिए बड़ा उपयोग किया है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि भारत ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों के ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम सिग्नल को बाधित करने के लिए पश्चिमी सीमा पर अत्याधुनिक जैमिंग सिस्टम लगाए हैं।

इस कदम के बाद पाकिस्तान की नेविगेशन और स्ट्राइक क्षमताओं में काफी कमी आने की जानकारी मिली है। लक्ष्यों को भी बाधित करती है। खबरों के मुताबिक, भारतीय जैमिंग प्रणालियां अमेरिका के जीपीएस, रूस के ग्लोनास और चीन के बेइदोउ सहित कई उपग्रह-आधारित नेविगेशन प्लेटफार्मों में हस्तक्षेप कर सकती है। इनका उपयोग आमतौर पर पाकिस्तानी सैन्य विमानों द्वारा किया जाता है। जैमर से संभावित संघर्ष या घुसपैठ के दौरान पाकिस्तान की जागरूकता, लक्ष्य की सटीकता और सटीक निर्देशित हथियारों की प्रभावशीलता को बाधित किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित %जनता दर्शन% के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनी.

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी के गंगोत्री में अक्षय तृतीया के अवसर पर गंगोत्री धाम के औपचारिक पुनः उद्घाटन के दौरान एक अनुष्ठान किया।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में परिसीमन को लेकर सुप्रीम कोर्ट जल्द सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए परिसीमन प्रक्रिया के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया.

के पुरुषोत्तम रेड्डी द्वारा दायर इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इस परिसीमन मामले की सुनवाई की. याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने पीठ के समक्ष कहा कि केवल केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में परिसीमन अभ्यास करना और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को छोड़ना असंवैधानिक था. याचिकाकर्ता के वकील का तर्क था कि वह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के साथ समानता की मांग कर रहे थे. साथ ही उन्होंने कहा कि वो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में परिसीमन अभ्यास कराने की मांग पर जोर दे रहे हैं.

वहीं इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 26 का हवाला दिया. नटराज ने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया को साल 2026 की जनगणना तक इंतजार करना होगा.

जम्मू-कश्मीर के लिए किए गए परिसीमन अभ्यास की ओर इशारा करते हुए याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि इसका परिसीमन आयोग आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम लागू होने के बाद बनाया गया था.

याचिकाकर्ता के वकील से पीठ ने ये सवाल किया कि क्या वह यह तर्क दे रहे हैं कि जब भी केंद्र द्वारा परिसीमन अधिनियम के तहत शक्ति का प्रयोग करती है, तो इसे सभी राज्यों पर समान रूप से लागू होना चाहिए.

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने जोर देकर कहा कि परिसीमन एक बहुत बड़ी प्रक्रिया है और इसे रातों-रात नहीं किया जा सकता. वहीं याचिकाकर्ता के एडवोकेट ने यूनियन टेरीटरी और राज्य के बीच अंतर किए जाने का विरोध किया.

वकील ने सुप्रीम अदालत में ये तर्क दिया कि परिसीमन में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को शामिल नहीं किया गया था. वहीं केंद्र द्वारा जारी पूर्व परिसीमन अधिसूचना में असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और नागालैंड को शामिल किया गया था. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया.

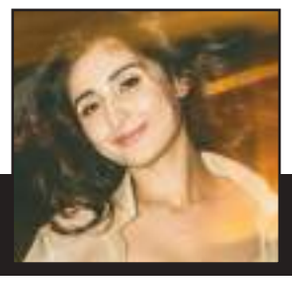

पॉप स्टार ध्वनि भानुशाली ने अपने आगामी सिंगल फ्रआंखोंफ्र की घोषणा की है। यह ट्रैक प्रतिभाशाली संगीतकार जोड़ी ओफ़ और सवेरा के सहयोग से बनाया गया है, और इसमें अंकुर तिवारी भी हैं। ध्वनि ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक टीज़र साझा किया है, जिसने पहले ही अपने सपनों और इमर्सिव वाइब से उनके प्रशंसकों को मोहित कर लिया है। फ्रआँखोंफ्र गाने में ध्वनि के विशिष्ट स्वरों को ओफ़ और सवेरा की अभिनव ध्वनि के साथ जोड़ा गया है। अंकुर तिवारी के गीतात्मक योगदान ने ट्रैक में आकर्षण की एक और परत जोड़ दी है। प्रशंसक बेसब्री से पूरे वीडियो के रिलीज़ होने का इंतज़ार कर रहे हैं,

अवनीत कौर ने बिखेरा हुस्न का जलवा, इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अदाओं का जादू बिखेरने वाली अवनीत कौर ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका हॉट और स्टाइलिश लुक फैंस को दीवाना बना रहा है. इन तस्वीरों में अवनीत ने पिंक ऑफ-शोल्डर टॉप और डेनिम जीन्स पहनी हुई है. उनका कॉन्फिडेंट पोज, सिंपल मेकअप और स्टाइलिश एक्सेसरीज लुक को और भी ग्लैमरस बना रहे हैं. कैप्शन में अवनीत ने लिखा, गर्मी के दिन सपने देखना और बताया कि उन्होंने यह लुक लीक्लोथिंगकंपनी से लिया है.

फैंस ने कमेंट सेक्शन में दिल और फायर इमोजी की बरसात कर दी है. कोई उन्हें 'ड्रीम गर्ल' कह रहा है तो कोई 'एंजेलिक' लुक की तारीफ कर रहा है. महज 1 घंटे में तस्वीरों को 94 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, जो बताता है कि अवनीत की फैन फॉलोइंग कितनी जबरदस्त है.

बता दें कि अवनीत कौर इन दिनों अपने फैशन सेंस और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर लगातार चर्चा में बनी रहती हैं. वे जल्द ही अपनी अगली फिल्म को लेकर भी कोई बड़ा ऐलान कर सकती हैं.

जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट अपनी ओटीटी रिलीज को तैयार, 9 मई को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी फिल्म

जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमैट को होली के दिन यानी 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। अब द डिप्लोमैट अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख

कंधे पर धनुष लटकाए निडर योद्धा बनकर निकली आकांक्षा शर्मा, केसरी वीर से फर्स्ट लुक जारी

बादशाह के गाने जुगनू में नजर आईं आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। जल्द ही वह सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में नजर आएंगी। उन्हें इस फिल्म में निडर योद्धा राजल का रोल मिला है। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया है। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पोस्टर में आकांक्षा का लुक बेहद शानदार है। उनके चेहरे पर जुनून और आत्म-विश्वास साफ झलक रहा है। आँखों में ऐसा तेज और साहस है, जो सबका ध्यान खींच रहा है। लुक की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट पहना हुआ है और बालों की चोटी बनाई हुई है।

अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन जल्द करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू? मनीष मल्होत्रा ने दिए संकेत

अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन अक्सर किसी न किसी कारण चर्चा में रहती हैं। बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही उन्होंने लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बना ली है।

न्यासा के प्रशंसक उन्हें जल्द ही किसी फिल्म में देखने चाहते हैं और लगता है कि फैंस की ये ख्वाहिश जल्द पूरी हो जाएगी। दरअसल, जाने-माने मनीष मल्होत्रा ने न्यासा के बॉलीवुड में डेब्यू के संकेत दिए हैं। आइए जानें उन्होंने क्या कहा।

मनीष मल्होत्रा ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर न्यासा की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह गुलाबी और गोल्डन रंग का लहंगा पहने नजर आ रही हैं। न्यासा के इस लहंगे को खुद मनीष ने डिजाइन किया है।

मनीष ने इसके कैप्शन में लिखा, न्यासा सिनेमा आपका इंतजार कर रहा है। इसके बाद उन्होंने लहंगे से जुड़ी जानकारी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। न्यासा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो की हालत पस्त, लाखों में सिमटी दैनिक कमाई

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं, जो दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही हैं।

25 अप्रैल को रिलीज हुई इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह था, लेकिन पर्दे पर आते ही पूरा माहौल ठंडा हो गया।

इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत धीमी रही, लेकिन वीकेंड पर फिल्म ने ठीक-ठाक कमाई की।

अब रिलीज के चौथे दिन ग्राउंड जीरो का कारोबार लाखों में सिमट चुका है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, ग्राउंड जीरो ने रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 70 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.90 करोड़ रुपये हो गया है।

प्रभास की बाहुबली सिनेमाघरों में फिर हो रही रिलीज, फिर होगी बाहुबली और भल्लालदेव की टक्कर, अक्टूबर में आएगी फिल्म

निर्देशक एसएस राजामौली की बाहुबली: द कन्क्लूजन की आठवीं एनिवर्सपी पर फिल्म के निर्माता शोबू यारलागड्डा ने बाहुबली फिल्मों को फिर से रिलीज करने की घोषणा की. ब्लॉकबस्टर फिल्म का पहला पार्ट 2015 में रिलीज हुआ था, जबकि दूसरा पार्ट 2017 में सिनेमाघरों में आया. 2025 में पहले पार्ट की 10 वीं और दूसरे पार्ट की 8वीं एनिवर्सरी है. इसलिए निर्माताओं ने फैंस को ट्रीट देने का मन बनाया है.

बाहुबली 2 की आठवीं एनिवर्सी मनाई गई और मेकर्स शोबू ने इसे फिल्म के फैंस के लिए और भी खास बनाने का फैसला किया. इस खास दिन पर, मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम इस साल अक्टूबर में बाहुबली को भारत और इंटरनेशनल लेवल पर फिर से रिलीज करने की योजना बना रहे हैं. उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक री-रिलीज नहीं होगी यह हमारे प्यारे फैंस के लिए जश्न का साल होगा, इस दौरान पुरानी यादें, नए खुलासे और कुछ शानदार सरप्राइजेस की उम्मीद करें. देखते रहिए! बाहुबली. बाहुबली 2025 के अक्टूबर में री रिलीज होने के लिए तैयार है. एसएस राजामौली की बाहुबली एपिक ड्रामा थी. फिल्म में जो चीज कामयाब रही, वह है इसका ड्रामा. दोनों फिल्मों ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की. 2022 में, राजामौली ने कहा, अपने करियर के दौरान मैंने सीखा है कि भावनाएं जितनी मजबूत होंगी, या जितनी बुनियादी भावनाएं होंगी, उतना ही अधिक लोग आपकी फिल्म को पसंद करेंगे. मैं यही कर रहा हूं, जब मैंने देखा कि बाहुबली को पूरे देश ने पसंद किया, तो मुझे एहसास हुआ कि अगर फिल्में बुनियादी इंसानी भावनाओं से प्रेरित कहानियों पर आधारित हों, तो उनकी पहुंच ज्यादा दर्शकों तक होगी.

केसरी चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 11: मेकर्स ने मनाया 100 करोड़ का जश्न, सौ रुपये से भी कम में देखें अक्षय कुमार की फिल्म

1919 में हुए जलियावांला हत्याकांड का केस लड़ने वाले बहादुर वकील सी शंकरन नायर के किरदार पर आधारित केसरी चैप्टर 2 लोगों के दिलों पर राज करने के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर भी गदर मचा रही है. फिल्म 10 दिनों में ही 100 करोड़ कमाकर अक्षय कुमार की इस साल की दूसरी सौ करोड़ी फिल्म बन गई है. इससे पहले उनकी स्काई फोर्स ने भी ये कारनामा किया है. वहीं अब 11 वें दिन फिल्म का आंकड़ा दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो गया है. इसी खुशी में मेकर्स ने टिकट ने दाम भी घटा दिए हैं.

डे वाइज बात करें तो फिल्म ने 9वें दिन लगभग 76 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 7.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. जिसके साथ ही इसकी नौ दिन की वर्ल्डवाइड कमाई 93.50 करोड़ हो गई थी. वहीं 10 वें दिन फिल्म ने 8.1 करोड़ का कलेक्शन किया. जिसके बाद इसने दुनियाभर में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. अब 11 वें दिन शुरुआती अनुमानी के अनुसार अब तक फिल्म की घरेलू कमाई 3 करोड़ रुपये हुई इसके साथ ही इसका टोटल घरेलू कलेक्शन 68.40 करोड़ रुपये हो गया है. यानि फिल्म भारत में भी जल्द ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार करेगी.

मेकर्स ने ऑफिशियली यह आंकड़ा शेयर करते हुए लिखा, सत्य यात्रा करता है और उसने पूरी दुनिया को जीत लिया है. वहीं सैकनिल्क के मुताबिक 11वें दिन फिल्म ने दुनियाभर में 105 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.

अक्षय कुमार की फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया तो इसी खुशी में मेकर्स ने फिल्म के दाम घटा दिए. मेकर्स ने ऑफिशियली अनाउंस करते हुए बताया कि केसरी चैप्टर 2 के टिकट के दाम 99 रुपये कर दिए गए हैं. हालांकि ये ऑफर सिर्फ आज यानि 29 अप्रैल के लिए है. धर्मा प्रोडक्शन ने पोस्टर शेयर करते हुए अनाउंस किया, देखने लायक फैसला - केवल 99 से शुरू.

कैसरी चैप्टर 2 में अक्षय कुमार ने सी शंकरन नायर की भूमिका निभाई है. उनके साथ इसमें आर माधवन और अनन्या पांडे भी दमदार रोल में हैं. धर्मा प्रोडक्शंस की यह फिल्म रघु पलात और पुष्पा पलात की पुस्तक द केस दैट शुक द एम्पायर पर आधारित है, जो जलियांवाला बाग हत्याकांड के पीछे की सच्चाई के लिए लड़ने वाले वकील सी. शंकरन नायर के किरदार पर लिखी गई है. इसे करण सिंह त्यागी ने निर्देशित किया है वहीं लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स ने इसे प्रोड्यूस किया है.

बेलमकोंडा श्रीनिवास और अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म किष्किन्धापुरी से पहली झलक जारी

बेलमकोंडा श्रीनिवास अपनी आगामी फिल्म किष्किंधापुरी के साथ फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन करने आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन चावु कबुरू चालगा के प्रसिद्ध कौशिक पेगलपति ने किया है। फिल्म तेजी से आगे बढ़ रही है और आज निर्माताओं ने पहली झलक जारी की। इस झलक ने काफी दिलचस्पी पैदा की, जिसमें मुख्य जोड़ी और अन्य अभिनेता एक सुनसान और परित्यक्त घर सुवर्णमाया में प्रवेश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्हें एक रेडियो मिलता है और अजीबोगरीब घटनाओं का अनुभव होता है। हालाँकि पहली झलक में बहुत कुछ नहीं दिखा, लेकिन यह उत्सुकता के स्तर को बढ़ाने में कामयाब रही। सैम सीएस ने बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ उत्सुकता बढ़ा दी। फिल्म में अनुपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में हैं। संगीत चैतन भारद्वाज ने तैयार किया है और फिल्म का निर्माण प्रतिष्ठित शाइन स्क्रीन बैनर के तहत साहू गरपति ने किया है।

कान के दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकता है नीलगिरी का तेल, ऐसे करें इस्तेमाल

कान में दर्द होना एक असहनीय समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है।

इसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे संक्रमण, ठंड लगना या कान में पानी जाना। आमतौर पर लोग इसके लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन कुछ घरेलू उपाय भी हैं, जो इस दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं।

ऐसे ही एक प्रभावी घरेलू उपाय है नीलगिरी का तेल। आइए इसके इस्तेमाल का तरीका और फायदे जानते हैं।

नीलगिरी के तेल की गर्म सिकाई करें

नीलगिरी का तेल एक खास तेल है, जिसमें सूजन कम करने और दर्द से राहत देने वाले गुण होते हैं।

ये गुण कान के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े में थोड़ा-सा नीलगिरी का तेल डालकर गर्म करें और फिर इसे दर्द वाले कान के आसपास की सिकाई करें।

इससे दर्द में आराम मिलेगा और सूजन भी कम होगी। इस प्रक्रिया को दिन में दो बार दोहराएं।

नीलगिरी के तेल की बूंदें कान में डालें

नीलगिरी के तेल की कुछ बूंदें कान में डालने से भी कान के दर्द में राहत मिल

सकती है।

इसके लिए पहले नीलगिरी के तेल को हल्का गर्म करें, फिर इसकी 2-3 बूंदें दर्द वाले कान में डालें। इससे कान के अंदरूनी हिस्से तक तेल पहुंच जाएगा और दर्द कम होगा।

ध्यान रखें कि तेल बहुत ज्यादा गर्म न हो, क्योंकि इससे कान की त्वचा जल सकती है। इसे दिन में दो बार दोहराएं।

नीलगिरी के तेल से मालिश करें

नीलगिरी का तेल सिर्फ कान के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है।

अगर आपके कान में दर्द हो रहा है तो नीलगिरी के तेल से सिर की मालिश करें। इससे न केवल कान का दर्द कम होगा बल्कि सिर की थकान भी दूर होगी।

इसके लिए नीलगिरी के तेल को हल्का गर्म करके सिर पर हल्के हाथों से मालिश करें। इससे खून का बहाव बेहतर होगा और आपको आराम मिलेगा।

नीलगिरी की भाप लें

नीलगिरी की भाप लेने से भी कान के दर्द में राहत मिल सकती है।

इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें और उसमें कुछ बूंदे नीलगिरी का तेल डालें। अब इस बर्तन के सामने सिर ढककर बैठ जाएं ताकि भाप पूरी तरह से आपके कान तक पहुंचे। इस प्रक्रिया को दिन में एक बार जरूर अपनाएं।

इससे न केवल आपका कान दर्द कम होगा बल्कि आपकी सांसों की भी सफाई होगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

००

गर्मियों के दौरान रोजाना आमरस का सेवन क्यों है फायदेमंद? जानिए 5 कारण

गर्मियों में आमरस का सेवन करना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि कई पोषण गुणों से भरपूर भी है।

आमरस बनाने के लिए पके आमों का उपयोग किया जाता है, जो विटामिन-सी, विटामिन-ए और फाइबर से भरे होते हैं।

इस लेख में हम आपको पांच ऐसे कारण बताएंगे, जिनसे आप जानेंगे कि गर्मियों के दौरान रोजाना आमरस का सेवन क्यों फायदेमंद होता है।

शरीर को ठंडक पहुंचाने में है मददगार

गर्मियों में अक्सर शरीर का तापमान बढ़ जाता है, जिससे असुविधा हो सकती है।

आमरस का सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करता है। इसमें मौजूद पानी और प्राकृतिक मिठास इसे एक बेहतरीन पेय बनाते हैं, जो आपको ताजगी और ठंडक प्रदान करते हैं।

इसके अलावा आमरस में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो आपके शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ तरोताजा महसूस कराते हैं।

पाचन क्रिया के लिए है लाभदायक

आमरस में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

इसके नियमित सेवन से आपका पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है और भोजन अच्छे से पचता है।

फाइबर की मात्रा अधिक होने के कारण यह आंत के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे आप हल्का महसूस करते हैं।

इसके अलावा आमरस में मौजूद प्राकृतिक तत्व पाचन क्रिया को मजबूत बनाते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मिलता है बढ़ावा

आमरस में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होती है।

यह विटामिन आपके शरीर की बीमारियों से लड़ने की ताकत को बढ़ाता है और आपको बीमारियों से बचाए रखता है।

नियमित रूप से आमरस पीने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स भी आपकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देते हैं, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं।

दिल के लिए है सुरक्षित

आमरस का सेवन दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व दिल के रोग के जोखिमों को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा आमरस में पाए जाने वाले पोटेशियम और मैग्नीशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं।

नियमित रूप से आमरस पीने से आपका दिल तंदुरुस्त रहता है और आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

इसके अलावा इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व दिल को स्वस्थ रखते हैं। पानी की कमी को पूरा करने में है सहायक

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी को पूरा करना बहुत जरूरी होता है।

शब्द सामर्थ्य -034

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

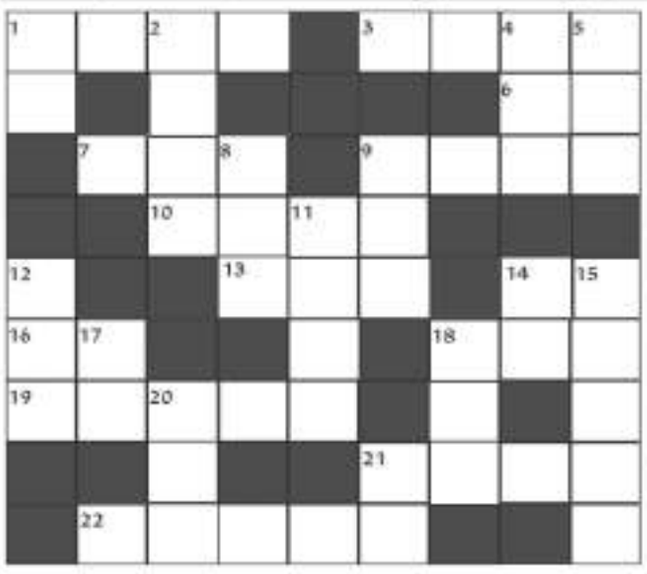

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 033 का हल

ज	दरो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल में मोह. नदीम कुरैशी उम्र 40 वर्ष निवासी हड्डी गौदाम दादामिया गेट के पास ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मजदूरी करता है उसके छोटे भाई फ्हीम कुरैशी से सम्पति बटवारे केा लेकर आपसी बुराई है अपने घर के सामने खड़ा था तभी फ्हीम कुरैशी अपने साले सोहेल के साथ आया और उससे खर्चे के लिये 5 हजार रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो दोनों उसके साथ गाली गलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर सोहेल उसके साथ हाथमुक्कों से मारपीट करने लगा

राज्यंपाल व कुलाधिपति श्री पटेल की अध्यरक्षता में मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वाविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह संपन्न

कुलाधिपति श्री पटेल ने मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय का नाम शल्य चिकित्सा के जनक महर्षि सुश्रुत के नाम पर रखने की घोषणा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राज्यरपाल व कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल की अध्याक्षता में आज मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वरविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह नेताजी सुभाषचंद्र बोस सांस्कृआतिक एवं सूचना केन्द्रज में आयोजित किया गया। इस दौरान समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय का नाम शल्य चिकित्सा के जनक महर्षि सुश्रुत के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह का दिन विद्यार्थियों के लिए संस्थान में उनकी शिक्षा पूरी हो जाने के बाद जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करने वाला मील का पत्थर होता है। मेडिकल शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जो विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाता है और उन्हें समाज के लिए कुछ करने का अवसर प्रदान करता है। चिकित्सकों का कार्य सिर्फ रोगों का इलाज करना नहीं है बल्कि लोगों को खुश और स्वस्थ रखना, रोगी के अंदर बीमारी से लड़ने का आत्मविश्वास पैदा करना और जीवन की उम्मीद जगाना भी है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक जीवन पूर्ण होने पर राज्यपाल श्री पटेल ने उन्हें जीवन में प्रगति के लिए निरंतर सीखने की इच्छा बनाए रखने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी का स्वभाव हो तो छोटे से छोटे आदमी से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है। सीखने से ऊर्जा का निरंतर संचार होता है और सामर्थ्य भी विकसित होता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने संस्थान से आधुनिकतम तकनीकों को अपनाने के लिए सदैव तत्पर रहने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि आधुनिकतम तकनीकों को अपनाने से रोगियों का इलाज सुगम तो होता ही है। साथ ही चिकित्सकों की कार्य दक्षता में भी बढ़ोत्तरी होती है। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित देश बनाने के लिए समाज के वंचित वर्ग में ऐसी आकांक्षा जगाने की आवश्यकता है जिससे वे भी देश के विकास में हिस्सेदार बन सकें। राज्यपाल श्री पटेल ने चिकित्सकों से पिछड़ों एवं अनपढ़ों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने की अपनी मंशा को भी व्यक्त किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नागरिकों को अपने खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी युवाओं से ज्यादा पानी पीने, व्यायाम करने एवं पूरी नींद लेने की बात कही है। खान पान का ध्यान रखना समाज के लिए भी आवश्यक है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा ली गई महर्षि चरक शपथ अनेक बातों का समावेश है। विद्यार्थी को चिकित्सक के रूप में विभिन्न जगहों पर उनकी महती आवश्यकता का अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को पहले रोगियों के रोग को समझना चाहिए। रोगियों की बातों को सुनना चाहिए। चिकित्सकों द्वारा रोगियों की बातों को अच्छी तरह सुनने से रोगियों का आधा दर्द दूर हो जाता है। उन्होंने कहा कि समाज में डॉक्टरों का स्थान भगवान के समान है। भारत को विकसित देश बनाने में चिकित्सकों की भूमिका अहम है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत विश्वगुरु के रूप में स्थापित होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत का फल लोगों को तभी मिलेगा जब वे निरोगी होंगे। लोगों को निरोगी करने के लिए डॉक्टरों की महती आवश्यकता है।

लोक अदालत में अच्छी वसूली हो इसके लिए ई-नगर पालिका के संचालन के लिए कैशियरों को दिया गया प्रशिक्षण - निगमायुक्त प्रीति यादव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अच्छी वसूली हो और निगम की आर्थिक स्थिति सुदृढ हो तथा करदाताओं को बकाया करों की राशि जमा करने में सुविधा हो की दृष्टि से आज दिनांक 03 मई 2025 को नगर निगम के सभी कैशियरों को प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा दिलाया गया। अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने सभी को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि ई-नगर पालिका साफ्टवेयर के संचालन हेतु आज सभी संभाग के कैशियरों को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मई माह में लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के समय अच्छी वसूली हो इसके लिए निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव द्वारा सभी राजस्व अमले को निर्दिर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा निर्देशित किया गया है कि अधिक राजस्व वसूली के लक्ष्य को प्राप्त करने और अधिभार में छूट लेने हेतु सभी करदाताओं को एस.एम.एस. एवं दूरभाष के माध्यम से सूचित करें, जिससे अधिक राजस्व निगम कोष में जमा हो सके।

संत निरंकारी मण्डल ब्रांच जबलपुर द्वारा आज 25 वां रक्तदान शिविर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रेम और भाईचारे की भावना को उजागर करता 'मानव एकता दिवस', निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष 24 अप्रैल को बाबा गुरबचन सिंह जी, चाचा प्रताप सिंह जी एवं अन्य बलिदानी संतों का प्रतीक है युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी के सत्य बोध के माध्यम से समाज को अंधविश्वासों और कुरीतियों से मुक्ति, नशा मुक्ति , सादा विवाह और युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ जैसे लोक कल्याणकारी अभियानों की शुरूवात की उनके मार्गदर्शन को आगे बढ़ाते हुए युगद्रष्टा बाबा हरदेव सिंह जी ने 24 अप्रैल 1986 में रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं का न सिर्फ अमर संदेश दिया बल्कि आपने स्वयं रक्तदान कर मिशन में रक्तदान को आध्यात्मिक सेवा का अभिन्न अंग बना दिया और मिशन की सामाजिक कल्याण शाखा चेरिटेबिल फाउंडेशन के सौजन्य से मानव एकता दिवस पर मिशन द्वारा देश भर में रक्तदान की प्रेरक शृंखला आरंभ होती है जो निस्वार्थ सेवा भावना कि सामूहिक जागृति का जन-जन तक पहुंचाया जाता है द्य

पिछले लगभग 04 दशकों में 8750 शिविरों में 1450177 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया है जिससे 4.83 मिलियन लोगों की जान बचाई जा सकी द्य

सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की करूण सेवा एवं एकत्व के संदेश की प्रेरणा से चेरिटेबिल फाउंडेशन द्वारा पूरे भारतवर्ष में 24 अप्रैल 2025 के दिन 500 से अधिक ब्रांचों पर भव्य रक्तदान शिविरों कि अविरल श्रृंखला आयोजित की गई है, जो वर्ष भर जारी रहती है

312 करोड़ रूपये की राशि से होने वाले कार्य प्रारंभ, केन्ट विधानसभा क्षेत्र में पहली उच्चस्तरीय पानी टंकी निर्माण कार्य का महापौर, विधायक और निगमाध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

अब केन्ट विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक घरों में भी पहुँचेगा नर्मदा जल - विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत प्रावधानित राशि 312 करोड़ रूपये से होने वाले कार्य की आज दिनांक 03 मई 2025 से शुरूआत हो गई है। 312 करोड़ रूपये में से सबसे बड़ी राशि केन्ट विधानसभा क्षेत्र को दी गई है, जिसके अंतर्गत आज तिलहरी के रानी अवंती बाई वार्ड में उच्चस्तरीय पानी टंकी के निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने किया। इस अवसर पर महापौर श्री अन्नू ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत 312 करोड़ रूपये की राशि से होने वाले कार्य का प्रारंभ नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज के वार्ड से हुई है। उन्होंने बताया कि कल दिनांक 04 मई से ही निर्माण कार्य शुरू होगा। भूमिपूजन समारोह के अवसर पर केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने आज केन्ट विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों का नर्मदा जल पाने की सौगात से अभिभूत हुए और कहा कि केन्ट विधान सभा क्षेत्र के नागरिकों का आज सपना साकार हुआ है। उच्चस्तरीय पानी की टंकी का निर्माण शुरू होना नागरिकों के लिए एक बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि अब शहर के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के साथ-साथ केन्ट विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के घरों में भी नर्मदा जल पहुँचेगा।इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रानी अवंती बाई वार्ड के नागरिकों के घरों में नर्मदा जल पहुँचाने के साथ-साथ शहर के सभी घरों में भी नर्मदा जल पहुँचाना हमारा दायित्व था।

देश का निर्माता है मजदूर, मजदूर दिवस समारोह में वक्ताओं ने मजदूर एकता का किया आव्हान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। तोप निर्माणी जीसीएफ में मजदूर दिवस पर हमेशा की तरह विशाल जन सभा व रैली का आयोजन किया गया. मजदूरों के लिए संघर्षरत ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लॉय फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड एस. एन. पाठक के नैतृत्व में जीसीएफ इस्टेट में वाहन रैली निकाली गयी. जो सतपुला मैदान में आम सभा में परिवर्तित हुई. सभा को सम्बोधित करते हुए कामरेड पाठक ने मई दिवस के इतिहास व महत्व का उल्लेख किया. उन्होंने कहा 1886 में शिकागो शहर में मजदूरों के कार्य के घंटे निर्धारित करने एवं अन्य अधिकारों की मांग को लेकर शिकागो में आन्दोलन किया गया था.कुचलने पूंजीपतियों द्वारा हिंसा की गयी. जिसमें कई मजदूर घायल हुए थे. मजदूरों ने उन घायलों और हताहत मजदूरों के लाल रक्त से रंजित कपड़े को फहराकर अपना विरोध दर्शाया था, उसी के बाद से लाल झंडा मजदूरों की पहचान बन गया. पाठक ने जीसीएफ में मजदूर संघ हथौड़ा के गठन पर जानकारी देते हुए कहा कि उनके द्वारा मजदूर हित की रक्षा करने हेतु बनाए गए संगठन ने आज विशाल रूप लेकर सबसे मजबूत संगठन बन कर उभरा है. उन्होंने बताया कि आगामी 20 मई को फेडरेशन के बैनर तले एक विरोध कार्यक्रम किया जाएगा इसमें सभी कर्मचारियों को 1 घंटे लेट निर्माणी में आना है. कार्यक्रम में शरद बोरकर, अजय रजक, पंकज रंजन, नरेश बाजपेयी, रवि शाह, अमिताभ परस्ते, यूनियन के अनिल कोष्ठा, दीप विश्वकर्मा, मिथुन रवि अन्ना, सुदित रूनेश, विजय सूरज, सर्वेश, ऋषि भीम, विनय, अमित उपाध्यक्ष आदि मौजूद रहे.

उप मुख्यमंत्री का भाजपा कार्यालय में हुआ भव्य स्वागत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला का भाजपा संभागीय कार्यालय में आगमन हुआ। आगमन पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर के नेतृत्व में श्री राजेंद्र शुक्ला का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री आशीष दुबे, ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, जिला महामंत्री रजनीश यादव, रंजीत पटेल, योगेश बिलोहा, नितिन मिश्रा, विपिन अग्रहरि, दुर्गेश रजक, नरेश चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामी महेन्द्रानंद महाराज के सान्निध्य में पाटन के पवई धाम में श्री शिव समाराधन महायज्ञ का आयोजन

मन की थकान मिटाने की श्रेष्ठ औषधि है कथा-इंद्रेश महाराज

माँ नर्मदा जगद्वंदनीया है ; उनके तट का वास हमारा गौरव- इंद्रेश उपाध्याय

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पाटन। शरीर की थकान मिटाने के अनेक उपाय हैं, अनेक दवाइयां है परंतु मन की थकान मिटाने की श्रेष्ठ औषधि श्रीमद् भागवत कथा है, वास्तव में कथा से सीखने वाले या कथा का अभिप्राय समझने वाले ही सच्चे श्रोता होते हैं। हमारे आपके अनेक जन्मों के जब पुण्य का उदय होता है तब हमें भगवान की कथा प्राप्त होती है। सभी वेदों का सरल भाव भागवत में विद्यमान है। जिस तरह मक्खन में दूध, दही, छाछ सभी तत्व होते हैं परंतु मक्खन की कीमत अधिक होती है, क्योंकि मक्खन सार है और सार की कीमत अधिक होती है, अंधकार दूर करने का सामर्थ्य घी में है, दूध में नहीं है, दूध से हम दीपक प्रज्वलित नहीं कर सकते। भागवत रूपी मक्खन हमारे ज्ञान रूपी दिए को जलाने वाला घी है। उक्त उद्गार पवई धाम अमरपुर में पूज्य संत महेंद्रानंद जी महाराज के सानिध्य में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के अवसर पर देश के ख्याति प्राप्त प्रवक्ता इंद्रेश जी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वक्ता नारद का स्वरूप माना जाता है, अस्तु श्रोता की वक्ता के प्रति नारद दृष्टि होना चाहिए। जो वक्ता श्रोता को नारायण की प्राप्ति करा दे, वह नारद स्वरूप होता है। हमारा उद्देश्य यदि श्रेष्ठ है तो हमारी क्रिया भी वैसी होती है और मेहनत भले ज्यादा लगे पर उद्देश्य की श्रेष्ठता सफलता अवश्य दिलाती है।

महाराज श्री ने कहा की आवश्यक नहीं है कि हम नित्य पूजा पाठ में ही लगे रहें, भजन में ही लगे रहें, हम समाज जीवन के जिस कार्य क्षेत्र में हैं यदि अपना कार्य पूरी जिम्मेदारी, लगन, निष्ठा के साथ उस कार्य को पूजा मानकर कर रहे हैं तो यही हमारे जीवन की और कार्य की सार्थकता है। महाराज श्री ने कहा की भागवत की कथा होती तो पृथ्वी पर है पर इसकी चर्चा तीनों लोकों में होती है। कथा के तृतीय दिवस का प्रारंभ होते ही कुछ जलवृष्टि होने पर पूज्य महाराज श्री ने कहा की कथा के प्रारंभ, मध्य और विश्राम के समय बिना बाधा के यदि जल वृष्टि हो तो इसे देव पुष्पांजलि कहते हैं, हम ऐसा मानते हैं कि अनुष्ठान की पूर्णता के लिए, ये कृष्ण जन्मोत्सव के पूर्व जल बिंदुओं के रूप में आज ही सारे देव स्थापित हो गए हैं ,पतित पावनी मां नर्मदा ने भी बादल बनकर वर्षा के रूप में अपनी कृपा हमें प्रदान की है। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणों की उपस्थिति हो रही है, आयोजन का समापन 7 म?ई को होगा।

जगत वंदनीय हैं मां नर्मदा

इंद्रेश उपाध्याय जी ने कहा कि कहा कि यह जबलपुर क्षेत्र अत्यन्त पुण्यवान है, क्योंकि यह माँ नर्मदा का पवित्र तट है यहाँ जगत् की माँ नर्मदा वास करती है, जिनमें शिव वास करते हैं। महाराजश्री की माताजी का नाम भी नर्मदा है। इस संदर्भ में महाराजजी ने बताया कि हमारी ही नहीं अपितु सारे देवों, सारे जीवों की, तीनो लोको की माँ है नर्मदाजी। स्वयं गंगा जी वैशाख शुक्ल सप्तमी को नर्मदाजी से मिलने आती है। कलियुग के पाँच हजार वर्ष व्यतीत हो जाने पर सभी नदीयों का देवत्व माँ नर्मदा में ही समाहित हो जाएगा ऐसा नर्मदा पुराण में उल्लिखित है। एकमात्र माँ नर्मदा ही ऐसी देवनदी है जिनके नाम से पुराण है। माँ नर्मदा की महिमा अतुलनीय है। इंद्रेश उपाध्याय जी ने तृतीय दिवस में श्रीशुक, परीक्षित संवाद का वर्णन किया। भगवद्?भक्त शिरोमणि ध्रुव जी की प्रभु के प्रति अद्?भुत निष्ठा का चित्रण किया। उनके सुमधुर कण्ठ से भगवद्? संकीर्तन भक्तों को मंत्रमुग्ध कर नृत्य करने को विवश कर देता है। इस भव्य आयोजन में 5 मई को प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी भी भागवत जी व इंद्रेशजी का आशीर्वाद लेने पहुंचेगे। आयोजन प्रभारी श्री बलराम यादवने बताया 4 मई को कथा प्रसंग में बड़े धूम-धाम से श्रीकृष्णजन्म महोत्सव मनाया जाएगा। जितेंद्र पचौरी ने श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव पर सभी को पीले वस्त्र पहन कर आने का निवेदन किया व मात्र शक्ति को भी पीली साड़ी पहन कर आने का निवेदन किया।

मां नर्मदा से मिलने आती हैं मां गंगा

स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने कहा कि नर्मदा पुराण में ऐसा वर्णन आता हैं कि गंगा सप्तमी के दिन गंगा जी मां नर्मदा से मिलने के लिए जबलपुर के नंदिकेश्वर घाट में आती हैं। वैशाख शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को ही गंगा सप्तमी कहते हैं। कथा व्यास को भेंट की मां नर्मदा की चित्र स्वामी महेन्द्रानंद जी महाराज एवं आयोजन प्रभारी बलराम सिंह यादव ने पूज्य इंद्रेश उपाध्याय जी को मां नर्मदा का चित्र भेंट किया। कथा प्रारंभ होने के पूर्व विदुषी ऋचा गोस्वामी जी ने इंद्रेश महाराज का अभिनंदन पुष्प गुच्छ से किया। मुख्य यजमान सर्वेश पटेल एवं श्याम मनोहर पचौरी ने व्यासपीठ का पूजन किया। विष्णु शंकर पटेल, नवनीत माहेश्वरी, आयोजन अध्यक्ष हर कृष्ण पचौरी, गौरीशंकर तिवारी, मदन मोहन पचौरी, मनोज पटेल, मुकुल पचौरी, राकेश सिंह ठाकुर, दीपक साहू, सोहिल ठाकुर, महादेव पचौरी, मुरली मनोहर पचौरी आदि ने भी कथा व्यास का अभिनंदन किया। संचालन जितेन्द्र पचौरी ने किया।

संस्कारों के बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं

कथा व्यास इंद्रेश उपाध्याय जी ने कहा कि मनुष्य जीवन आदमी को बार-बार नहीं मिलता है, इसलिए इस कलयुग में मानव दया, धर्म भगवान के स्मरण से ही सारी योनियों को पार करता है। उन्होंने बताया कि, भगवान विष्णु ने पांचवा अवतार कपिल मुनि के रूप में लिया। शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग बताते हुए कहा कि, यह पवित्र संस्कार है, लेकिन आधुनिक समय में प्राणी संस्कारों से दूर भाग रहा है। जीव के बिना शरीर निरर्थक होता है, ऐसे ही संस्कारों के बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं होता। भक्ति में दिखावा नहीं होना चाहिए।

नर्मदा शुद्धिकरण के लिए महायज्ञ

कथा के पूर्व स्वामी महेंद्रानंद महाराज ने कहा कि मानव जीवन के लिए अनाज, वायु और जल की आवश्यकता होती हैद्य यह सभी वर्तमान परिस्थितियों में अशुद्ध होते जा रहे हैंद्य इस महायज्ञ का उद्देश्य मां नर्मदा का शुद्धिकरण है। इसके लिए अभियान चलाया जा रहा है। हम प्रदेश सरकार से अपील करते हैं कि मां नर्मदा में मिलने वाले नालों का पानी बंद किया जाए। कुछ स्थानों पर ट्रीटमेंट कर पानी नर्मदा जी में प्रवाहित किया जा रहा है, यह पानी भी अशुद्ध है। नर्मदा की निर्मलता को बनाए रखने के लिए वैकल्पिक नाला बनाकर उन्हें जंगलों में छोड़ा जा सकता है। इससे मां नर्मदा प्रदूषण होने से बच सकते हैं। यज्ञ के तीसरे दिन विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। यजमानों ने यज्ञ में आहुतियां दीं। पूरा यज्ञ मंडप भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा। भगवान शिव का अभिषेक पूजन किया गया।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल में रात्रि मोह. तन्शीर उम्र 21 वर्ष निवासी अम्बेडकर कालोनी निर्भयनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कबाड़ का काम करता है वह अपनी पत्नी आफरीन को छोड़ने जा रहा था जैसे ही रमजान साईकिल के सामने मोहरिया रोड़ पर पहुँचा वहां पर खड़े रिहान, फैजान, आमीन, अकरम ने उसे आवाज देकर रोककर बोले कि तु कबाड़ में बहुत पैसे कमा रहा है 10 हजार रूपये दो, उसन रूपये देने से मना किया तो रिहान और आमीन उसके साथ गाली गलौज करने लगे उसी समय उसका छोटा भाई मोह. तौकिर आकर गालियां देने से

जबलपुर में मुस्लिम युवक ने हिन्दू धर्म अपनाकर प्रेमिका से की शादी, पहलगाम हमले से व्यथित होकर त्यागा धर्म

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में रांझी क्षेत्र के युवक आन मोहम्मद ने हिन्दू धर्म अपनाते हुए अपनी प्रेमिका सृष्टि हालदार से राम मंदिर में हिन्दू रीति-रिवाज से शादी कर दी. युवक आन मोहम्मद ने जम्मू-काश्मीर में हुए आतंकी हमले से आहत होकर मुस्लिम धर्म का त्याग किया है. इसके साथ ही उसने अपना नाम संजू रख लिया है.

जबलपुर के रांझी क्षेत्र में रहने वाला मुस्लिम युवक आन मोहम्मद सिलाई मशीन रिपेयरिंग का काम करता रहा. वहीं सृष्टि नाम की युवती टाइपिंग सीखने के लिए आती थी. इस दौरान दोनों का परिचय हुआ और धीरे धीरे एक दूसरे से प्रेम करने लगे. पिछले तीन वर्ष से एक दूसरे से प्यार की डोर में बंधे प्रेमी युगल शादी करना चाहते थे. लेकिन परिवार की आपत्ति व सामाजिक विरोध के चलते शादी नहीं कर पा रहे थे. इसके बाद भी एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा और फिर शादी करने का निर्णय ले लिया.

आन मोहम्मद व सृष्टि ने विधिवत एसडीएम के समक्ष पेश होकर कोर्ट मैरिज की, इसके बाद आन मोहम्मद ने हिन्दू धर्म अपनाते हुए राम मंदिर पहुंचकर हिन्दू रीति-रिवाज से सात फेरे लेकर शादी की. शादी के वक्त ही पंडित ने मंत्रोच्चार के साथ ही दोनों को गंगाजल व

नर्मदा जल पिताया. इसके बाद आन मोहम्मद से संजू बने युवक ने सृष्टि की मांग में सिंदूर भरा, जयमाला पहनाते हुए भगवान राम व जानकी के पैर पड़ते हुए सुखमय जीवन के लिए आर्शीवाद लिया. शादी समारोह में बंजरग दल सहित अन्य हिन्दूवादी संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता, लड़की माता पिता व अन्य लोग उपस्थित रहे.

लड़की की मां ने कहा-

सृष्टि हालदार की मां को जब दोनों के बीच प्रेम संबंधों की जानकारी लगी तो वे तैयार नहीं थी. बाद में उन्होने स्पष्ट रुप से कहा कि जब तक लड़का कोर्ट के सामने हिन्दू धर्म नहीं अपनाता उस वक्त तक वह विवाह को स्वीकार नहीं करेगी. आन मोहम्मद को जब इस बात की जानकारी लगी तो उसने धर्म परिवर्तन कर विवाह को सामाजिक व धार्मिक स्वीकृति दी.

आन मोहम्मद से संजू बने युवक ने कहा-

आन मोहम्मद से संजू बने युवक ने कहा कि देश में हो रही आतंकी घटनाओं से उसका मन व्यथित था. ऐसे में जब सृष्टि ने समाज से लड़कर उससे विवाह करने का निर्णय लिया तो यह उसका भी फर्ज बनता था कि वह हिंदू धर्म अपनाकर इस रिश्ते को पूरी स्वीकार्यता दे.

सृष्टि ने कहा- सृष्टि का कहना था कि दोनों के बीच प्रेम-संबंधों की जानकारी परिजनों को पहले से ही थी लेकिन वे शादी के लिए तैयार नही थे. घर में हर वक्त तनाव का माहौल बना रहता था. इसके बाद दोनों के शादी का निर्णय लिया और मंदिर पहुंचकर हिन्दू रीति रिवाज के तहत शादी कर ली. आन मोहम्मद ने बिना किसी भी दबाव या जोर जबरदस्ती के स्वयं ही हिन्दू धर्म अपनाकर शादी की है. हम दोनों एक दूसरे के साथ सारा जीवन व्यतीत करेगें. हम दोनों को एक दूसरे पर पूरा भरोसा है.

युद्ध अलर्ट- आयुध निर्माणियों में अवकाश रद्द, सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बुलाया गया ड्यूटी पर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पहलगाम आतंकी हमले और भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर आयुध निर्माणियों में हलचल तेज हो गई है। फैक्टरी प्रबंधन ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के अवकाश को निरस्त कर दिया है, और उन्हें तत्काल ड्यूटी पर बुला लिया गया है। भारतीय सेना के लिए गोला-बारूद बनाने वाली एमआईएल ने अपनी सभी इकाइयों के लिए यह आदेश जारी किया है।

आज आयुध निर्माणी खमरिया (ओएफके) में मुख्यालय से आदेश जारी किए गए, जिसमें स्पष्ट किया गया कि सभी अधिकारी कर्मचारी लंबी छुट्टियों को रद्द करते हुए तत्काल कार्य पर लौटेंगे। भारतीय एयर फोर्स के लिए बमों का उत्पादन अब तेज गति से किया जा रहा है। निर्माणियों ने अपने उत्पादन लक्ष्य पर पूरा फोकस किया है, विशेष रूप से उन बमों के उत्पादन पर जो भारतीय वायुसेना के लिए आवश्यक हैं।

उल्लेखनीय है कि जबलपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री (ओएफजे) से तैयार किए जा रहे ढाई क्विंटल के बम, भारतीय वायुसेना की ताकत को बढ़ा रहे हैं। इन बमों में 250 किग्रा और 120 किग्रा एयर बमों का निर्माण हो रहा है। 250 किग्रा एयर बम का उपयोग सुखोई और जगुआर एयरक्राफ्ट में किया जाता है, जिससे दुश्मन के इलाके में गहरा गड्ढा बनता है।

इससे पहले 2016 में भारतीय वायुसेना ने पाक अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों पर 1000 पाउंड बम गिराए थे, जो खमरिया में बने थे। इन बमों को 12 साल से खमरिया में तैयार किया जा रहा है। 1000 पाउंड बम का खोल 250 किग्रा धातु से बना होता है और इसके अंदर 250 किग्रा मिश्रण भरा रहता है।

घरेलू विवाद ने लिया हिंसक रूप, युवक पर हमला

जबलपुर। थाना सिहोरा क्षेत्र के ग्राम हरदुआ कला में बीती रात घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। 21 वर्षीय प्रकाश उर्फ छोटू दीवान चौधरी ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बिल्डिंग निर्माण में मिस्त्री का काम करता है। बीती शाम करीब 7 बजे उसका चाचा का लड़का नीलेश चौधरी उसके घर के सामने आया और उसके भाई नीलू चौधरी की शादी को लेकर विवाद करने लगा।

प्रकाश के अनुसार नीलेश ने पहले उसे गालियां दीं और मना करने पर लकड़ी से सिर पर हमला कर दिया,

उपविजेता रही कांग्रेस प्रत्याशी को सौंपा जाए वार्ड का प्रतिनिधित्व - कांग्रेस

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर पार्षद पद हासिल करने वाली भाजपा की कविता रैकवार को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद आज कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर इसे न्याय की जीत बताया। पत्रकारवार्ता में मौजूद पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने कहा कि यह एक लंबी कानूनी लड़ाई का परिणाम है जिसमें सच्चाई की जीत हुई है। अब संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए नियमानुसार 2022 नगर निगम चुनाव में उप विजेता रहीं कांग्रेस प्रत्याशी राखी रज्जू सराफ को पार्षद घोषित कर वार्ड का प्रतिनिधित्व सौंपा जाए और उन अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए जो कि इस मामले में संलिप्त है। इस अवसर पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, दिनेश यादव, झल्लेलाल जैन, मुकेश राठौर, सतीश तिवारी, अतुल नरेश बाजपेयी, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, अयोध्या तिवारी, संतोष पंडा, पार्षद सत्येंद्र चौबे गुड्डा, राकेश पांडे, राजेश सोनकर, पंकज पटैल, अजय रावत, सिद्धांत जैन महिला कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश यादव, देवकी पटैल, सचिन रजक, सौरभ गौतम आदि उपस्थित रहे।

गाय ने चबाया सुअरमार बम, फटा जबड़ा - हालत नाजुक

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गोसलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टिकरिया में एक दर्दनाक हादसे में एक गाय गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया गया कि चराई के दौरान गाय ने चारे में छिपा सुअरमार बम चबा लिया, जिससे उसका जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद से गाय की हालत नाजुक बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम टिकरिया निवासी राजकुमार पटेल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी जमीन हार क्षेत्र में खाली पड़ी है, जहां अक्सर मवेशी चरने जाते हैं। रोज की तरह उसने सुबह 6 बजे अपनी गाय को चरने के लिए छोड़ा था। जब गाय वापस लौटी तो उसका जबड़ा लटका हुआ था और वह न तो पानी पी पा रही थी और न ही कुछ खा पा रही थी।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। थाना प्रभारी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि गाय ने चारे में छिपा सुअरमार बम चबा लिया था। इससे उसका जबड़ा फट गया। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना हनुमानताल में रात्रि मोह. तन्शीर उम्र 21 वर्ष निवासी अम्बेडकर कालोनी निर्भयनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कबाड़ का काम करता है दिनांक 2-5-25 की रात लगभग 11 बजे वह अपनी पत्नी आफरीन को छोड़ने जा रहा था जैसे ही रमजान साईकिल के सामने मोहरिया रोड़ पर पहुँचा वहां पर खड़े रिहान, फैजान, आमीन, अकरम ने उसे आवाज देकर रोककर बोले कि तु कबाड़ में बहुत पैसे कमा रहा है 10 हजार रूपये दो, उसन रूपये देने से मना किया तो रिहान और आमीन उसके साथ गाली गलौज करने लगे उसी समय उसका छोटा भाई मोह. तौकिर आकर गालियां देने से मना किया तो आमीन ने हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगा तथा अकरम ने चाकू से हमलाकर उसके भाई तौकिर के वायें पैर की जांघ में चोट पहुँचा दी तथा चारों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये।

नशे में धुत युवक ने अंडा ठेला संचालक से की मारपीट

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोहलपुर क्षेत्र में देर रात एक अंडा ठेला संचालक से मारपीट का मामला सामने आया है। बधैया मोहल्ला निवासी 34 वर्षीय अमित यादव ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बस स्टैंड शराब दुकान के पास अंडा का ठेला लगाता है। देर रात लगभग 1:15 बजे जब वह ठेला लेकर अपने घर लौट रहा था, तभी नगर निगम कार्यालय के सामने अचानक एक युवक छोटू आया और गाली-गलौज करने लगा। जब अमित यादव ने विरोध किया, तो छोटू ने उस पर हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया, जिससे उसकी बायीं आंख के पास चोट आई। हमले के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अमित यादव की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में प्रोफेसर डॉ. नसीम बानो की जमानत याचिका खारिज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में फंसी डिंडौरी कॉलेज की महिला अतिथि प्रोफेसर डॉ. नसीम बानो को जबलपुर न्यायालय ने नियमित जमानत देने से इनकार कर दिया है।

इससे पहले उनकी अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी थी। न्यायालय के इस निर्णय के बाद शासन ने उन्हें सेवा से भी हटा दिया है। डॉ. नसीम बानो पर आरोप है कि उन्होंने एक व्हाट्सएप ग्रुप में देवी सीता के अपहरण से जुड़ा कार्टून वीडियो साझा किया था। साथ ही उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा था कि धर्म पूछकर गोली मारने और जय श्रीराम के नारे लगाकर हत्या करने में कोई अंतर नहीं है। इस टिप्पणी को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कड़ा विरोध जताते हुए 24 अप्रैल को कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस ने धार्मिक भावनाएं आहत करने की धाराओं में मामला दर्ज किया और उन्हें बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। स्थानीय अधिवक्ताओं ने भी उनकी जमानत याचिका का विरोध किया और अदालत में तर्क दिया कि ऐसी टिप्पणी से समाज में गलत संदेश जाता है, खासकर जब आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की धर्म पूछकर हत्या की गई हो। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुल्तान सिंह ने अनुबंध समाप्त करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था, जिसे स्वीकृति मिल गई है। इस प्रकार डॉ. नसीम बानो को न केवल न्यायिक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उन्हें नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा है।

ढाबा बना रणभूमि, खाने के विवाद में दो पक्ष भिड़े

जबलपुर। मझौली थाना क्षेत्र स्थित छीतापाल तिराहा पर स्थित एक ढाबे में खाने की मामूली बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते मामला मारपीट और तोड़फोड़ तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ढाबा संचालक योगेश सिंह उर्फ पप्पू राजपूत (32) ने रिपोर्ट में बताया कि वह अपने ढाबे पर शाम 5:30 बजे था तभी पड़रिया निवासी दीपांशु राजपूत अपनी बुलेट से आया और ढाबे के सामने गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर दीपांशु ने उसका गला पकड़ लिया और थोड़ी देर बाद सक्षम राजपूत के साथ लौटकर बेसबॉल डंडे से हमला किया। इस दौरान दो अन्य युवक भी आए और उसके व कर्मचारी पंकज बर्मन के साथ मारपीट की। आरोपियों ने ढाबे में घुसकर तोड़फोड़ की और 10 हजार रुपये का नुकसान किया।

वहीं दूसरी ओर दीपांशु राजपूत (20) निवासी पड़रिया ने रिपोर्ट में बताया कि वह अपने मामा के लड़के के साथ ढाबा में खाना खाने गया था। खाने में देरी होने पर ढाबा संचालक पप्पू और कर्मचारी पंकज बर्मन ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने योगेश सिंह की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(3), 324(2), 3(5) व दीपांशु राजपूत की रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

वृद्ध ने बेल के पेड़ से लगाई फांसी

जबलपुर। थाना गोसलपुर अंतर्गत ग्राम धनगंवा में 62 वर्षीय वृद्ध द्वारा बेल के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक के बेटे परमलाल कोल (29) ने पुलिस को बताया कि उसके पिता पईया कोल बीती रात करीब 10:30 बजे शौच के लिए घर से निकले थे, वह स्वयं सो गया था और समझा कि पिता लौटकर वापस सो गए होंगे। सुबह 5:30 बजे जब वह उठा तो पिता घर में नहीं मिले।

शराब पीने के लिये पैसों की मांग कर मारपीट करने वाले आरोपियों की तलाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना ओमती में देर रात अमित कुमार उम्र 50 वर्ष निवासी सुराही बिल्डिंग के सामने अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह दूध डेयरी चलाता है दिनांक 2-5-25 को अपने काम से अपने मामा अशोक के घर आदर्श नगर अपनी स्कूटी से गया था जहां से वापस अपने घर आ रहा था रात लगभग 10 बजे पर्यट तिराहा के पास रूका तभी 2 लड़के अपना मुंह कपड़े से लपेटे हुये उसकी स्कूटी के पास अपनी मोटर सायकल खड़ी कर उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगे, उसने पैसे देने से मना किया तो दोनों गाली गलौज करने लगे, वह अपनी स्कूटी में बैठने लगा तो एक लड़के ने चाकू से हमलाकर उसके वायें पैर की जांघ में चोट पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना हनुमानताल में रात्रि मोह. तन्शीर उम्र 21 वर्ष निवासी अम्बेडकर कालोनी निर्भयनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कबाड़ का काम करता है दिनांक 2-5-25 की रात लगभग 11 बजे वह अपनी पत्नी आफरीन को छोड़ने जा रहा था जैसे ही रमजान साईकिल के सामने मोहरिया रोड़ पर पहुँचा वहां पर खड़े रिहान, फैजान, आमीन, अकरम ने उसे आवाज देकर रोककर बोले कि तु कबाड़ में बहुत पैसे कमा रहा है 10 हजार रूपये दो, उसन रूपये देने से मना किया

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो घायल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना मदनमहल क्षेत्र में देर रात एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हेमंत सिंह राजपूत (35), निवासी ग्राम छीतापाल थाना मझौली, जो वर्तमान में फेस 4 स्टार सिटी माढ़ोताल में रहता है और बेलखाडू शराब दुकान में मैनेजर है, अपने दोस्त रामलाल पटैल के साथ मोटर साइकिल (स्क्क20 ह्श्व 7014) से सिविक सेंटर से घर लौट रहा था। रात करीब 12:10 बजे जब वे डॉ. अंकित सेठ की क्लीनिक के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रही सफेद रंग की कार (स्क्क20 ष्ट्स्र 9868) के लापरवाह चालक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इससे दोनों सड़क पर गिर पड़े और उन्हें हाथ-पैर में चोटें आईं। मदनमहल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

मौसम ने ली करवट, गिरे ओले और हुई तेज बारिश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संस्कारधानी जबलपुर में दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे, जिससे शहर भर में एकाएक मौसम की तबदीली ने सभी को चौंका दिया। दोपहर में गर्मी और उमस के बाद तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे गर्मी से राहत मिली, लेकिन ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया।

दोपहर 1 बजे तक जबलपुर में सूरज की तपिश और उमस से लोग परेशान थे। 1:30 बजे मौसम में अचानक बदलाव आया, और तेज हवाओं के साथ बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। देखते ही देखते बारिश ने विकराल रूप ले लिया और ओले गिरने लगे। ओलावृष्टि के कारण सड़कें और खुले क्षेत्र सफेद चादर से ढक गए, जो दृश्य न केवल अद्भुत था, बल्कि कुछ लोगों के लिए परेशानी का कारण भी बन गया। ओलावृष्टि के कारण किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। खासकर उन खेतों में जहां फसलें पकने की अवस्था में थीं। बारिश के साथ ओले गिरने से दलहन, तिलहन, और गन्ने की फसलें बुरी तरह से प्रभावित हुईं। कई क्षेत्रों में फसलों को भी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं।

साथ ही, बारिश के कारण कुछ जगहों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रमुख सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ और कई स्थानों पर गाड़ियां फंसी रहीं।

मौसम विभाग ने पहले ही आने वाले 24 घंटों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई थी। विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में मौसमी बदलाव के कारण आगामी कुछ दिनों तक बारिश जारी रह सकती है। जबलपुर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बारिश से शहर को कुछ राहत मिली है, लेकिन जल्द ही फिर से गर्मी बढ़ने का अनुमान है। बारिश के बाद तापमान में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन गर्मी के बादल अभी पूरी तरह से छंटे नहीं हैं, और आगामी दिनों में फिर से गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस मौसम में सावधानी बरतें। विशेष रूप से सड़क पर चलते समय ध्यान रखें क्योंकि ओले गिरने से सड़कें फिसलन भरी हो सकती हैं। साथ ही, बारिश के दौरान बिजली और तारों के पास जाने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहकर मौसम का आनंद लें।

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999